भाद्रपद शुक्ल पक्ष-10, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-07 , अंक - 158 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2021-23

भोपाल
23 नवम्बर 2023 गुरुवार

आज का मौसम
29 अधिकतम
15 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो

आज देवउठनी एकादशी

उत्तिष्ठ गोविन्द त्यज निद्रां जगत्पतये। त्वयि सुप्ते जगन्नाथ जगत् सुप्तं भवेदिदम्॥ उत्थिते चेष्टते सर्वमुत्तिष्ठोत्तिष्ठ माधव। गतामेघा वियच्चैव निर्मलं निर्मलादिशः॥ शारदानि च पुष्पाणि गृहाण मम केशव।

11 दिन बाद सुरंग से निकल रहा है सवेरा

- *बस 11 मीटर दूर मजदूरों की मुक्ति*
- *रेस्क्यू ऑपरेशन का आखिरी चरण*
- *डॉक्टर, एम्बुलेंस, हेलिकॉप्टर तैनात*

उत्तरकाशी, एजेंसी।

11 दिन से उत्तराखंड के उत्तरकाशी में सुरंग में फंसे मजदूरों को बाहर निकालने की जद्दोजहद अब अंतिम चरण में है, अब यदि कोई बाधा न आई तो आज दोपहर तक सभी 41 मजदूरों को बाहर निकाल लिया जाएगा। रेस्क्यू ऑपरेशन कर रही टीमें अब मजदूरों से महज 11 मीटर की दूरी पर बताई जा रही हैं। सुरंग के बाहर एंबुलेंस तैनात कर दी गई हैं। ताकि मजदूरों को तत्काल स्वास्थ्य सेवा मुहैया करवाई जा सके। किसी बड़ी जरूरत के चलते मजदूरों के लिये चिनूक हेलिकाप्टर भी तैनात कर दिये गये हैं। बताया जाता है कि देरात मशीन में खराबी के कारण रेस्क्यू ऑपरेशन में देरी हुई है। मशीन सुधारने के लिए ताबड़तोड एक्सपर्ट्स बुलाए गए। इस बीच, केंद्रीय स?क एवं परिवहन राज्यमंत्री वीके सिंह भी उत्तरकाशी पहुंच गए हैं। सीएम पुष्कर सिंह धामी भी मौजूद हैं।

जनाकारी के मुताबिक पाइप से तैयार की जा रही निकासी सुरंग के आगे का करीब तीन फिट हिस्सा हल्का मुड़ गया था जिसको काटा गया है। उसके बाद सही एलाइनमेंट पर 800 एमएम का पाइप डाला जा रहा है। इसके बाद यहां से कुछ ही मीटर पर सुरंग में फंसे 41 श्रमिक बाहर निकल सकेंगे। दीवाली के दिन 12 नवंबर को सुबह खदान का एक हिस्सा ढहने से 41 मजदूर फंस गए थे। तब से अब तक रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। मलबे के दूसरी ओर फंसे श्रमिकों तक पहुंचने के लिए बचावकर्मियों को कुल मिलाकर लगभग 57 मीटर तक ड्रिलिंग करना है। इसके लिये अमेरिका व आस्ट्रेलिया से विशेषज्ञ बुलाए गए हैं।

पहली बार ब्रश किया

सुरंग के भीतर फंसे 41 मजदूरों ने 12 दिन में पहली बार जहां ब्रश किया तो वहीं कपड़े भी बदले। मजदूरों के लिए जरूरी खाद्य सामग्री के साथ ही कपड़े और दवाइयां भी भेजी गई हैं। एनएचआईडीसीएल के एमडी महमूद अहमद ने बताया कि चार और छह इंच के लाइफ पाइप से लगातार मजदूरों को खाद्य सामग्री भेजी जा रही है। उन्हें रोटी, सब्जी, खिचड़ी, दलिया, संतरे और केले भेजे गए। वहीं उन्हें टीशर्ट, अंडर गारमेंट, टूथपेस्ट और ब्रश के साथ ही साबुन भी भेजा गया। मजदूरों ने कपड़े बदले, मुंह हाथ धोया और भोजन किया है। उन्होंने बताया कि टेलीस्कोपिक कैमरे की मदद से सभी मजदूरों को देखा गया है।

बातचीत के लिए भी व्यवस्था बनी

बताया जा रहा है कि अभी तक केवल टेलीस्कोपिक कैमरे से ही सुरंग के भीतर मजदूरों की सूरत देखी जा रही थी लेकिन कल से एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीम ने यहां ऑडियो सिस्टम भी तैयार किया। इसके लिए सुरंग के भीतर छह इंच के पाइप के माध्यम से माइक्रो फोन और स्पीकर भेजे गए। सभी से बातचीत करके चिकित्सकों ने उनके हालचाल जाने।

चीन में नई बीमारी डब्ल्यूएचओ सतर्क

नई दिल्ली । कोरोना का कहर देखने के बाद अब लोग महामारी के नाम से भी डरने लगे है मगर चीन में एक नई महामारी का खतरा फिर सताने लगा है। चीन के कई अस्पतालों में इस रहस्यमयी बीमारी के मरीज देखे गए हैं, जो तेजी से बढ़ते जा रहे हैं। इस पर रिपोर्ट्स आने के बाद विश्व स्वास्थ्य संगठन की चिंता भी बढ़ गई है। यह बीमारी खसतौर पर स्कूली बच्चों में देखी जा रही है।बताया जाता है कि यहां स्कूल भी बंद किये जा रहे हैं

लैंडिंग के वक्त विमान पानी में समाया,तैरकर पार लगे सवार

अमेरिकी नौसेना का एक सर्विलांस एयरक्राफ्ट (निगरानी विमान), लैंडिंग में गड़बड़ी के चलते हवाई के एक द्वीप ओहू के पानी में समा गया। यह घटना तब हुई जब बोइंग पोसीडॉन 8-ए विमान, जिसमें नौ लोग सवार थे, मरीन कॉर्प्स बेस पर रनवे से थोड़ा आगे निकल गया और केनोहे खाड़ी में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हालांकि, इसमें सवार क्रू में से किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। सोशल मीडिया पर ऐसी तस्वीरें सामने आई हैं जिनमें विमान आंशिक रूप से खाड़ी के पानी में डूबा हुआ दिख रहा है। मौसम विभाग के अधिकारियों के अनुसार, बादल, बारिश और लिमिटेड विजिबिलिटी सहित चुनौतीपूर्ण मौसम की स्थिति दुर्घटना का कारण बनी ।

घटना के बाद क्रू के सदस्य विमान से किसी तरह बाहर निकलने में सफल रहे। तीसरे बेड़े के एक नौसेना प्रवक्ता ने कहा कि किसी भी संभावित खतरे को कम करने के लिए गिरे गए विमान के चारों ओर रोकथाम बूम तैनात किए जाने के साथ तुरंत एहतियाती कदम उठाए गए हैं। दुर्घटना के सटीक कारण की जांच अभी चल रही है।

आज फिर टीम इंडिया की आस्ट्रेलिया से भिड़ंत

हाल ही में वनडे विश्व कप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार का सामना करने वाली टीम इंडिया आज उसके खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज खेलने उतर रही है। विशाखापट्टनम में होने वाला पहला मैच शाम सात बजे शुरू होगा, जबकि टॉस इससे आधे घंटे पहले यानी शाम साढ़े छह बजे होगा। हालांकि भारतीय टीम अभी ठीक से उस हार का गम भी नहीं उतार सकी होगी कि उसे फिर से उसी टीम के खिलाफ खेलना है जिसने उन्हें हराया था। सूर्यकुमार यादव इस सीरीज में टीम इंडिया की कप्तानी करेंगे, जबकि ऋतुराज गायकवाड़ उपकप्तान होंगे। आखिरी दो मैचों में श्रेयस अय्यर वापसी करेंगे और वह उपकप्तान होंगे।

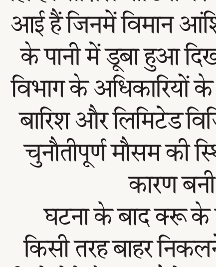

चुनाव परिणाम के पहले भाजपा कांग्रेस में गणना का दौर

अपने तोप-तमंचों के परफॉर्मेंस की जानकारी जुटा रही पार्टियां

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मतगणना के पहले राजनीतिक दल मप्र में अपनी गणना की कवायद कर रहे हैं। इस दौर में कांग्रेस ने अपने सभी उम्मीदवारों को 26 नवंबर को भोपाल बुलाया है। बताया जाता है कि इन उम्मीदवारों को मतगणना संबंधी प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके अलावा चुनाव के दौरान की घटनाओं व मतगणना के ट्रेंड पर भी जानकारी ली जाएगी। उधर भाजपा ने भी आकलन का सिलसिला चला रखा है। अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कई नेताओं से मुलाकात की है। हालांकि भाजपा की नजरें उन सीटों पर भी हैं जहां उसने दिग्गजों को उतारकर राजनीतिक समीकरणों को साधने की कोशिश की थी। इनमें सात सांसद व एक राष्ट्रीय महासचिव को चुनाव लड़ाया गया था।

भाजपा सूत्रों का कहना है कि भाजपा के 'कट्टों' की जगह 'तोपों' को उतारने के पीछे स्पष्ट चुनावी रणनीति थी, पार्टी को लगता था कि ये बड़े चेहरे न केवल अपनी बल्कि अपने संसदीय क्षेत्र में गुटबाजी और असंतोष को समाप्त कर भाजपा को प्रभावी बढ़त दिलाने में भी सफल रहेंगे। इसके अलावा, खास बात यह भी है कि भाजपा हाइकमान ने विधानसभा चुनाव लड़कर इन नेताओं की राजनीतिक जमीन और लोकप्रियता परखने का भी प्रयास किया है ,ताकि लोकसभा चुनाव की रणनीति इनके नतीजे के आधार पर बन सके। इन सभी को अलग अलग अंचल में परोक्ष तौर पर भावी सीएम के तौर पर भी प्रचारित होने दिया गया। इनमें सिर्फ नरेंद्र सिंह तोमर और कैलाश विजयवर्गीय ही ऐसे नेता रहे जो अपना चुनाव क्षेत्र छोड़कर दूसरे क्षेत्रों में भी प्रचार करने जा सके। जबकि राकेश सिंह,गणेश सिंह,उदयप्रताप सिंह,फग्गन सिंह कुलस्ते और रीती पाठक को अपने ही क्षेत्रों में केंद्रित रहे ,क्योंकि यहां उनके सामने विभिन्न समीकरणों के चलते चुनौती सख्त रही।

शिवराज आज फिर राजस्थान में

उधर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान आज राजस्थान में आखिरी दिन के चुनाव प्रचार पर हैं। वे उदयपुर बांसवाड़ा,कोटा में चुनाव सभा ले रहे हैं। राजस्थान मे आज प्रचार का आखिरी दिन होने से पीएम मोदी, राहुल गांधी समेत दोनों दलों के बड़े नेताओं के सघन दौरे हैं।

कांग्रेस ने मंगाई चुनाव की जानकारी

बताया जाता है कि कांग्रेस अपने उन सात नेताओं से चुनाव की रिपोर्ट तैयार करा रही है, जिन्होंने जन आक्रोश यात्रा की अगुआई की थी। पार्टी ने सभी नेताओं से कहा है कि वे यात्रा के दौरान जहां-जहां गए थे, वहां की ताजा जानकारी संगठन को दें। चुनाव की आचार संहिता लागू होने के पहले नेता प्रतिपक्ष डा. गोविंद सिंह, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष कांतिलाल भूरिया, सुरेश पचौरी, अरुण यादव, अजय सिंह, कमलेश्वर पटेल और जीतू पटवारी की अगुआई में अलग-अलग अंचल में यात्रा निकाली गई थी।

चार सैन्यकर्मी शहीद, राजौरी में आतंकियों से मुठभेड़ जारी

श्रीनगर , एजेंसी।

राजोरी जिले के धर्मसाल के बाजीमल इलाके में सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस के संयुक्त बलों और आतंकवादियों के बीच भीषण मुठभेड़ चल रही है। इससे पहले बुधवार को मुठभेड़ में दो अधिकारियों और दो जवानों सहित चार सैन्यकर्मी बलिदान हो गए हैं और दो जवान घायल हो गए। नागरिकों को बचाते हुए सुरक्षाबलों पर अचानक आतंकियों ने हमला कर दिया था। इन्ही महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा में जवानों ने अपना सर्वोच्च बलिदान दे दिया।

कल सुबह से यह मुठभेड़ रात सात बजे तक जारी रही। अंधेरा होने के कारण नौ घंटे बाद गोलीबारी बंद कर दी गई है लेकिन सुरक्षाबलों ने दोनों दहशतगर्दों पर घेरा डाल रखा। बलिदान अधिकारियों की पहचान कर्नाटक के कैप्टन एमवी प्रांजल, 63 आरआर/ सिग्नल, आगरा के कैप्टन शुभम, 9-पैरा और जम्मू के पुंछ के हवलदार माजिद, 9-पैरा के रूप में हुई है। एक बलिदानी की

पहचान अभी नहीं बताई गई है। 9 पैरा के मेजर मेहरा के हाथ और छाती में चोट आई है। उन्हें उधमपुर के कमांड अस्पताल में एयरलिफ्ट कर पहुंचाया गया है। यहां उनकी हालत स्थिर है। एक घायल जवान का इलाज राजौरी में 50 जनरल अस्पताल में चल रहा है। इस साल अब तक जम्मू के तीन जिलों में 15 सुरक्षाकर्मी बलिदान हो गए और 25 आतंकवादियों को ढेर किया गया। साथ ही 22 आमजनों ने भी जान गंवा दी है।

इज़राइल का हमास को नया ऑफर

10 बंधक छोड़ो, एक दिन अतिरिक्त सीजफायर

तेलअवीव, एजेंसी। इजरायल और गाजा के बीच युद्धविराम यानि सीजफायर पर बात बन गई है। सीजफायर के बदले हमास द्वारा इजरायल से बंधक बनाए गए करीब 50 लोगों को रिहा किया जाएगा। जबकि इजरायल अपनी जेलों में बंद करीब 150 फिलिस्तीनियों को रिहा करेगा व गाजा में अधिक मानवीय सहायता की अनुमति देगा। हालांकि,ह सीजफायर और बंधकों की रिहाई शुक्रवार तक टल गई है। इजरायली राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने कहा, बंधकों की रिहाई पर हम आगे

बढ़ रहे हैं। रिहाई की शुरुआत पक्षों के बीच मूल समझौते के अनुसार होगी। हर इजरायली बंधक के बदले इजरायल अपने जेलों में बंद 3 फिलिस्तीनियों को रिहा करेगा। इजराइल ने कहा है यदि हमास 10 बंधक और छोड़ेगा तो एक एक दिन का सीजफायर औरहोगा।

मेट्रो एंकर

आरोप-बेलगाम घोड़ा बना ईडी, पीएमएलए पर गर्मागर्म सुनवाई बेंच बोली...

अदालत को छोड़कर हर कोई गुस्से में लग रहा है..!

नई दिल्ली , एजेंसी।

पीएमएलए यानि धनशोधन निवारण अधिनियम पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस बेला एम त्रिवेदी और सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल के बीच तीखी बहस की चर्चा है। अदालत इस कानून के प्रावधानों की वैधता पर सुनवाई कर रही है। पूर्व कांग्रेस नेता सिब्बल याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश होकर पीएमएलए के प्रोवजिंस का विरोध कर रहे हैं। जस्टिस त्रिवेदी ने जानना चाहा कि जब पीएमएलए लागू किया गया, तब सिब्बल विपक्ष में थे या सत्ताधारी राजनीतिक दल में। दरअसल पीएमएलए को संसद में 02 में पारित किया था। हालांकि, इसे लागू 2005 में किया गया। उस समय कांग्रेसनीत यूपीए सरकार थी। सिब्बल इस गठबंधन का हिस्सा थे।

मीडिया रिपोर्टस के मुताबिक सुनवाई के दौरान जब सिब्बल ने कहा कि 'मैं 35 साल से जनप्रतिनिधि रहा हूं, विपक्ष में भी..। ऐसा कानून कभी नहीं देखा।' इस पर जस्टिस त्रिवेदी ने पूछा, '2002 (2005) में आप विपक्ष में थे?' सिब्बल ने जवाब दिया, 'इसे भले ही एक दल ने लागू और संशोधित किया हो, मगर हमने कभी इसे ऐसे लागू करने की नहीं सोची थी। आप जो पूछ रही हैं वह विवादास्पद है।' फिर जस्टिस त्रिवेदी ने कहा, 'केवल यह पूछ रहे हैं कि क्या आप उस साल विपक्ष में थे...।' सिब्बल ने कहा, 'प्रभाव बहुत बड़ा है। यह व्यापक शक्तियों के कारण हमारे देश की राजनीति को प्रभावित करता है, यह खतरनाक है।'

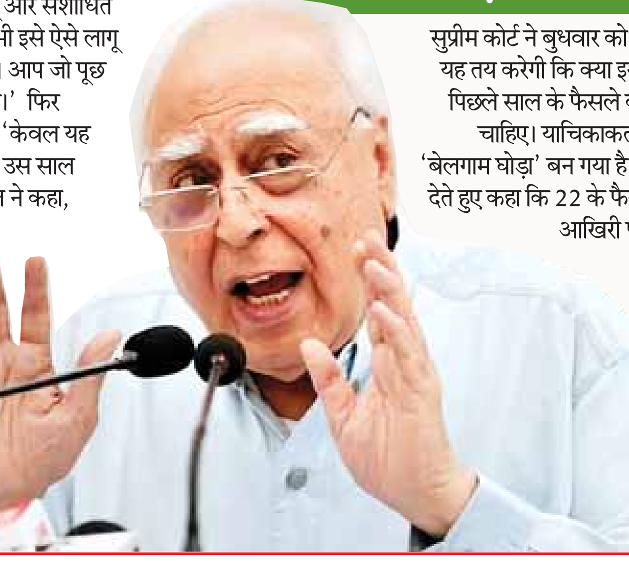

कड़े प्रावधानों पर होना है फैसला

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को पीएमएलए पर सुनवाई शुरू की है। अब अदालत यह तय करेगी कि क्या इसके कड़े प्रावधानों को बरकरार रखने वाले उसके पिछले साल के फैसले की पांच जजों की बेंच द्वारा दोबारा जांच की जानी चाहिए। याचिकाकर्ताओं ने तीखी बहस में आरोप लगाया कि ईडी अब 'बेलगाम घोड़ा' बन गया है। केंद्र ने उनके आचरण को 'चौंकाने वाला' करार देते हुए कहा कि 22 के फैसले के खिलाफ अपील करने के लिए याचिका में आखिरी पल में संशोधन किया गया था। बताया जाता है कि इस मामले में सुनवाई के दौरान जस्टिस संजय किशन कौल, जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस बेला एम त्रिवेदी की पीठ को अदालत में शांति बहाल करने के लिए बार-बार कहना पड़ा। बेंच ने कहा, 'अदालत को छोड़कर हर कोई गुस्से में लग रहा है। यह व्यक्तिगत मुद्दा नहीं बनना चाहिए... दोनों पक्ष कुछ ज्यादा ही उत्तेजित हैं।'

देवउठनी एकादशी आज, बाजार में उत्साह

भोपाल। देवउठनी एकादशी ग्यारस पर्व आज मनाया जा रहा है, जिसको लेकर शहर में लगने वाली बाजारों में लोगों द्वारा गन्ने की खूब खरीददारी की जा रही है। इसी के साथ ही शादी विवाह कार्यक्रम प्रारंभ हो जायेंगे। ग्यारस पर्व पर पूजा में भी बेर, मकोरा, चने की भाजी, सकला, गन्ना, सिंघाड़े आदि को रखा जाता है, जिसका प्रसाद भगवान को लगाकर तुलसी मंडप में पूजा की जाती है।

भोपाल मंडल से गुजरने वाली 300 से अधिक ट्रेनें बीते तीन महीने में हो चुकी है प्रभावित

ट्रेनों को बार-बार निरस्त व डायवर्ट कर रहा रेलवे, यात्री परेशान

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

ट्रेनों को बार-बार डायवट और निरस्त किया जा रहा है। इसकी वजह से रेल यात्री परेशान है। उन्हें ऐनवक्त् पर दूसरी ट्रेनें खोजनी पड़ रही है, जो नहीं मिलती। यही नहीं, आर्थिक रूप से भी नुकसान उठाना पड रहा है, क्योंकि जिन ट्रेनों को निरस्त किया जाता है उनमें पहले से सामान्य किराये पर बुकिंग कराते हैं, इन्हें निरस्त करने की स्थिति में अधिक फ्लेक्सी फेयर वाला किराया चुकाना पड़ता है, जो कि अधिक होता है। पिछले तीन महीने में भोपाल रेल मंडल से गुजरने वाली 300 ट्रेनों को निरस्त व डायवर्ट किया जा चुका है। इनमें ऐसी ट्रेनें भी शामिल है, जिन्हें अब तक चार से पांच बार निरस्त किया जा चुका है।

इन कामों का हवाला देता है रेलवे

ट्रैक के रख-रखाव का काम करने का हवाला दिया जाता है या फिर नई पटरियों को पुरानी पटरियों से जोड़ने की बात कही जाती है। दोनों ही काम सेफ्टी से जुड़े है इसलिए दूसरे विभाग भी आपत्ति दर्ज नहीं करा पाते हैं। इस काम के नाम पर थोक में ट्रेनों को निरस्त किया जा रहा है। जबकि विशेषज्ञों का कहना है कि पूर्व में भी ट्रैक का रख-रखाव होता रहा है, तब इतनी ट्रेनों को निरस्त नहीं किया जाता था।

ऐनवक्त पर निरस्त कर रहे ट्रेनें

रेलवे ट्रेनों को निरस्त करने की सूचना पहले से नहीं दे रहा है, बल्कि यात्रा की तारीख से एक दिन पहले से लेकर एक सप्ताह पहले ही दे रहा है। जबकि यात्री बार-बार मांग कर चुके हैं कि ट्रेनों को निरस्त व डायवर्ट करने की सूचना कम से कम 15 दिन पहले से लेकर एक महीने पहले से दी जाए।

हाल ही में रेलवे ने बरखेड़ा—बुधनी के बीच तैयार तीसरी रेल लाइन को जोड़ने समेत अन्य कामों के लिए थोकबंद ट्रेनें निरस्त की गई हैं।

रेल अधिकारियों की कमजोरी

विशेषज्ञों का कहना है कि ट्रैक का रख-रखाव करना एक नियमित प्रक्रिया है। इसका शैड्यूल पहले से अधिकारियों को पता होता है। यदि अधिकारी इस नियमित रख-रखाव के लिए ट्रेनों को निरस्त करने की सूचना ऐनवक्त पर दे रहे हैं तो यह बड़ी कमी है। इसमें तत्काल सुधार करने की जरूरत है। ऐनवक्त पर ट्रैक व पटरियों में खराबी या फिर सेफ्टी से जुड़े किसी अन्य यंत्रों में सुधार की जरूरत को तो नहीं नकारा जा सकता। यह यात्रियों की जानमाल से जुड़ा विषय होता है।

जिला अधिवक्ता संघ का चुनाव कार्यक्रम जारी

8 दिसंबर को आएगी अंतिम मतदाता सूची, 8 जनवरी को होगा मतदान

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल जिला अधिवक्ता संघ के द्विवार्षिक चुनाव का कार्यक्रम जारी हो गया है। यह चुनाव 8 जनवरी को होंगे। 4 एवं 5 जनवरी को टेंडर वोटिंग होगी। 8 जनवरी को सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक मतदान किया जाएगा। चुनाव कार्यक्रम जारी होने के साथ ही भावी प्रत्याशी जोर-शोर से अपने चुनाव प्रचार में जुट गए हैं।

जानकारी के अनुसार, चुनाव में अध्यक्ष पद के लिए प्रियनाथ पाठक, नवाब खान, जितिन राठौर, राजेश व्यास, दीपक खरे और शिरिष श्रीवास्तव के नाम सामने आए हैं। सचिव के पद के लिए सपना चैधरी, शबिस्ता कुरेशी, मनोज श्रीवास्तव, प्रकाश रावत, मयूर चालीसगांवकर, यूपी शुक्ला और अनिल जैवार के नाम सामने आए है। उपाध्यक्ष पद के लिए, संजय श्रीवास्तव, मो. आकिल बशीर, राजेश यादव, हेमांगी अरोरा, मीरा चरार, प्रवीण द्विवेदी, सहसचिव पद के लिए राहुल, नयन शर्मा और सोनल नायक तथा कोषाध्यक्ष पद के लिए प्रदीप दुबे के नाम चर्चा में हैं।

9 और 10 जनवरी को मतगणना-

जिला अभिभाषक संघ के मुख्य चुनाव अधिकारी रवींद्र तिवारी द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार, 8 दिसंबर को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी। 11 और 12 दिसंबर को उम्मीदवारों के नामांकन फार्म का वितरण कर जमा किए जाएंगे। 20 और 21 दिसंबर को नामांकन फार्म वापसी के बाद 22 दिसंबर को उम्मीदवारों की अंतिम सूची का प्रकाशन किया जाएगा। 8 जनवरी को मतदान और 9 और 10 जनवरी को मतगणना के बाद परिणाम घोषित किए जा सकेंगे। 12 जनवरी को नई कार्यकारिणी का कार्यभार ग्रहण होगा।

नाबालिग से दोस्ती कर दुष्कर्म, आरोपी को 20 साल की सजा

भोपाल। नाबालिग बच्ची से पहले दोस्ती और फिर उसके साथ जबरन दुष्कर्म करने वाले एक आरोपी को न्यायालय ने 20 साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही न्यायालय ने आरोपी पर 15 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। यह फैसला 14वे अपर सत्र न्यायाधीश (विशेष न्यायालय पॉक्सो) तृप्ति पाण्डेय की अदालत ने सुनाया है।

न्यायालय ने लगाया 15 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया

लोक अभियोजक के अनुसार, छोला मंदिर थाने में पीड़िता ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि आरोपी उसकी एक रिश्तेदार के घर के पास रहता है। रिश्तेदार के यहां जाने के दौरान उसकी पहचान आरोपी से हुई। 2 अगस्त 2019 को सुबह आरोपी स्कूल के पास मिला और घुमाने ले जाने का कहकर जबरन अपनी मोटर साईकिल पर बिठाकर ले गया। आरोपी पीड़िता को मण्डीदीप के एक निजी होटल में ले गया और मर्जी के बिना गलत काम किया। मामले में शासन की ओर से पैरवी विशेष लोक अभियोजक टी.पी. गौतम, गुंजन गुप्ता , सरला कहार द्वारा की गई है।

25 को मैनिट का दीक्षांत समारोह: 34 को गोल्ड सहित 3159 विद्यार्थियों को मिलेगी डिग्री

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

आगामी 25 नवंबर को मौलाना आजाद नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (मैनिट) का दीक्षांत समारोह आयोजित होगा। इस समारोह में सत्र 2022 और 2023 बैच के 3159 विद्यार्थियों को डिग्रियां और यूजी में 34 स्टूडेंट्स को गोल्ड मेडल से प्रदान किया जाएगा। दीक्षांत समारोह 25 नवंबर को सुबह 9.30 बजे से दोपहर डेढ़ बजे तक चलेगा। समारोह में मैनिट के कुलपति और कुलसचिव सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी शामिल होंगे।

यूजी में 962, पीजी में 584 विद्यार्थी

दीक्षांत समारोह में वर्ष 2022 बैच के यूजी में 962 स्टूडेंट्स को डिग्रियां दी जाएंगी। वहीं पीजी में एमबीए के 31, एमसीए 94, एमटेक के 425 व एम प्लान के 34 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की जाएगी। पीजी में 584 विद्यार्थियों को डिग्री मिलेगी। समारोह में 36 शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि प्रदान की जाएगी। वहीं 2023 बैच के 20वें दीक्षांत में यूजी में बीटेक के 925, बी आर्क 78 और बी प्लान में 39 विद्यार्थियों को डिग्री मिलेगी। वहीं, पीजी में 22 एमबीए, 105 एमसीए, 298 एम टेक, 31 एम प्लान, 15 को एमएससी फिजिक्स और 14 को एमएससी केमिस्ट्री की उपाधि मिलेगी।

दीवाली मिलन समारोह

भोपाल। शिवाजी नगर स्थित सिंधू भवन के स्वर्गीय प्रभूदास देवानी सभागृह में वार्षिक सनारोह दीवाली मिलन के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

क्रोनी कैपिटालिम, लोकतंत्र ह्रास पर चिंता, नेहरू युग पर परिचर्चा

भोपाल। भारत को स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद हुई विकास यात्रा पर सेक्युलर मंच के तत्वावधान में गांधी भवन में एक परिचर्चा का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य वक्ता के बतौर पूर्व सांसद संदीप दीक्षित ने विस्तार से योजनाओं के निर्माण की पृष्ठभूमि, कृषि, औद्योगिक विकास, राष्ट्रीय और प्रति व्यक्ति आय और विषमताओं के संदर्भ में नेहरू युग के योगदान को तथ्यों ,आंकड़ों और तुलनात्मक रूप से प्रस्तुत किय। उन्होंने कहा कि नेहरूजी के कार्यकाल में कृषि उत्पादन में भी अभूतपूर्व बढ़ोतरी हुई और जमीदारी प्रथा की समाप्ति के कारण एक तिहाई आबादी को एक तरह से दूसरी आजादी मिल।.वरिष्ठ पत्रकार श्री राजेश बादल ने स्वतंत्रता पश्चात की यात्रा पर ।उनके द्वारा निर्मित डॉक्यूमेंट्री फिल्म का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के संयोजक वरिष्ठ पत्रकार लज्जा शंकर हरदेनिया ने 'धर्म निरपेक्ष और वैज्ञानिक समझ पर निर्भर है आधुनिक भारत का उज्जवल भविष्य ' शीर्ष व्याख्यान में नेहरू जी के विचारों की आध्यात्मिक और दार्शनिक पृष्ठभूमि और कार्य शैली की विस्तार से व्याख्या करते हुए वर्तमान के अंधविश्वास , असद भाव के वातावरण को लोकतंत्र और भावी पीढ़ियों के लिए खतरा बताया।

मेट्रो एंकर | मध्यप्रांत एक से 15 जनवरी 2024 तक चलाएगा अभियान

श्रीलला के प्राण प्रतिष्ठा का न्योता, 25 लाख परिवारों पहुंचेंगे

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के आह्वान पर अयोध्या में जनवरी में होने वाले राम लला के प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम का मध्यभारत प्रान्त के 25 लाख से अधिक परिवारों को निमंत्रण देंगे। श्री राम मंदिर में पूजित अक्षत (पीले चावल) कलश संगठन की दृष्टि से बने मध्यभारत प्रान्त में आ चुके हैं। अक्षत कलश का जिला सह वितरण कार्यक्रम गुफा मंदिर, लालघाटी भोपाल में रखा गया, जिसमें साध्वी महामंडलेश्वर प्रज्ञा भारती दीदी , महंत रामदास त्यागी महाराज, महंत अनिलानंदजी, महामंडलेश्वर राम भूषण दास, महाराज, महंत, राधा मोहन दास महाराज, महंत रविन्द्र दास महाराज, सुदेश शांडिल्य जी, विहिप केंद्रीय उपाध्यक्ष हुकुमचंद सावला, संघ के प्रांत संघचालक अशोक पांडे, विहिप प्रांत अध्यक्ष पीतांबर राजदेव, प्रान्त कार्याध्यक्ष के एल शर्मा , प्रान्त मंत्री राजेश जैन एवम संघ परिवार के अन्य संगठनों के प्रमुख पदाधिकारी, समाज के गणमान्य नागरिक के साथ संगठन के 32 जिलों के प्रतिनिधि पूजित अक्षत कलश अपने जिलों में ले जाने के लिये उपस्थित रहे ।

अक्षत निमंत्रण को लेकर, विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता अन्य हिंदू संगठनों के साथ मिलकर, एक से 15 जनवरी के बीच, प्रान्त के नगर ग्रामों में, हिंदू परिवारों तक जाएंगे। मध्यभारत प्रान्त से 17 फरवरी 2024 को लगभग 2500 लोगों के दर्शनों की व्यवस्था की गई है। विहिप का आह्वान है कि 22 जनवरी को प्रत्येक हिंदू परिवार कम से कम 5 दीपक अवश्य जलाएं।

सरकारी स्कूलों में नौवीं कक्षा के विद्यार्थियों को राहत

नामांकन में न्यूनतम आयु सीमा में अब छूट, 30 तक ऑनलाइन नामांकन

भोपाल, दोपहर मेट्रो। प्रदेश के स्कूलों में पढ़ने वाले नौवीं के विद्यार्थियों के नामांकन में न्यूनतम आयु को लेकर माध्यमिक शिक्षा मंडल ने छूट दी है। माशिमं द्वारा शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिए न्यूनतम आयु सीमा में शिथिलता प्रदान की गई है। शासन के आदेश के अनुक्रम में सत्र 2023-24 में 13 वर्ष पूर्ण न करने वाले छात्रों के नामांकन करने के लिए 30 नवंबर तक ऑनलाइन सुविधा उपलब्ध कराई गई है। मंडल ने संस्था प्राचार्यों को निर्देश दिए हैं कि ऐसे छात्रों के कक्षा नौवीं के नामांकन निर्धारित समय में पूर्ण करना सुनिश्चित करें। बता दें कि मामले की शिकायत मप्र बाल अधिकार संरक्षण आयोग तक भी पहुंची थी। जिसके बाद आयोग ने स्कूल शिक्षा विभाग को पत्र लिखा था। आयोग ने उम्र के बंधन व 12वीं में माध्यम परिवर्तन के मामले का जल्द से जल्द निराकरण करने की बात कही थी।

हजारों की संख्या में विद्यार्थी थे परेशान

दरअसल माध्यमिक शिक्षा मंडल में नवमी के नामांकन का. कार्य चल रहा है। मप्र स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा पहली में प्रवेश के लिए न्यूनतम आयु पांच वर्ष की है। राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा भी हर साल जारी निर्देशों में पांच वर्ष की न्यूनतम आयु के विद्यार्थियों को पहली कक्षा में प्रवेश देने के लिए सत्र की शुरुआत में निर्देश जारी करता है। इसके अनुसार माशिमं भी नवमी के नामांकन में न्यूनतम आयु 13 साल (5 प्लस 8) की है। लेकिन कई विद्यार्थी शासकीय स्कूलों में आठवीं तक निरंतर पढ़ते हुए वर्तमान में 12 साल उम्र तक के भी है। ऐसे में 31 दिसंबर 2010 के बाद के जन्म लेने वाले विद्यार्थियों का नवमीं में नामांकन नहीं हो रहा था। ऐसे में हजारों की संख्या में विद्यार्थियों का अभी तक नामांकन नहीं हो पाया।

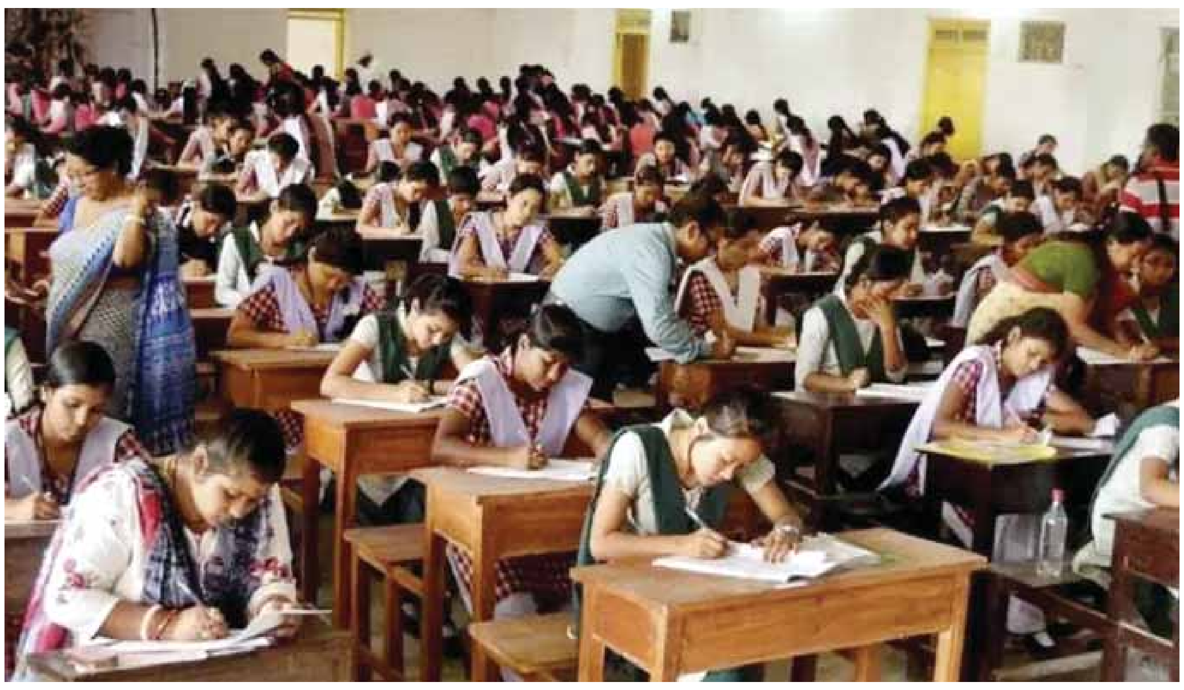

पहली में प्रवेश की न्यूनतम आयु पांच साल

माशिमं ने मप्र शासन, राज्य शिक्षा केंद्र के पहली में प्रवेश के नियम शासन को भेजे थे। जिसमें बताया गया है कि शासन ने पहली में प्रवेश की न्यूनतम आयु पांच साल निर्धारित की है। इसके अनुसार मंडल में 5 प्लस 8 यानि 13 साल की उम्र में नवमी नामांकन हो रहा है। जिसके बाद उम्र के बंधन को लेकर अंतिम निर्णय प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा रश्मि शमी को लेना था। मामले में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा अंतिम निर्णय लेने के बाद माशिमं ने यह आदेश जारी किए हैं।

माशिमं की बोर्ड परीक्षाएं

रेंडम पद्धति से होगी केंद्राध्यक्ष व सहायक केंद्राध्यक्षों की नियुक्ति

कलेक्टर की अध्यक्षता में गठित समिति से अनुमोदन के बाद होगा चयन

माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) द्वारा फरवरी के प्रथम सप्ताह से दसवीं-बारहवीं की बोर्ड परीक्षा आयोजित की जाएंगी। इस बार 10वीं व 12वीं परीक्षा में नकल पर नकेल कसने के लिए केंद्राध्यक्ष (सीएस) व सहायक केंद्राध्यक्ष (एसीएस) की नियुक्ति प्रक्रिया में बदलाव कर दिया गया है। माशिमं द्वारा निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर केंद्राध्यक्ष एवं सहायक केंद्राध्यक्षों की नियुक्ति विकासखंड स्तर पर न करते हुए जिला स्तर पर एनआईसी के माध्यम से रेंडम पद्धति से किया जाएगा। एनआईसी पर केंद्राध्यक्षों, सहायक केंद्राध्यक्षों के नामों की प्रविष्टि करने के पूर्व केंद्राध्यक्षों, सहायक केंद्राध्यक्ष के नामों का चयन कर जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में गठित समिति से अनुमोदन के बाद डीईओ द्वारा किया जाएगा। इससे केंद्राध्यक्षों को पूरे जिले में किसी भी केंद्र पर केंद्राध्यक्ष बनाया जा सकता है।

अब तक परीक्षा केंद्र नहीं हुए तय

बोर्ड परीक्षाओं को करीब दो माह बचे हैं, लेकिन अब तक परीक्षा केंद्रों के निर्धारण की प्रक्रिया शुरू नहीं हो सकी है। विधानसभा चुनाव के चलते प्रभावित हुई यह प्रक्रिया दिसंबर के पहले सप्ताह से शुरू होने की संभावना है। मंडल ने सभी जिले के जिला शिक्षा अधिकारियों (डीईओ) को दिशा-निर्देश जारी किए हैं कि अपने जिले के सरकारी व निजी विद्यालयों में बनाए जाने वाले केंद्रों के नाम तय कर सूची जल्द भेजें। बता दें कि बोर्ड परीक्षाओं के लिए हर साल करीब पौने चार हजार परीक्षा केंद्र बनाए जाते हैं और नवंबर तक परीक्षा केंद्र की सूची तैयार कर ली जाती है।

यह है देरी का कारण

दरअसल, विधानसभा चुनाव के कारण अधिकारी से लेकर शिक्षक सभी की ड्यूटी लगाई गई है। साथ ही इस बार विधानसभा चुनाव के लिए विद्यालयों में मतदान केंद्र बनाए गए थे। इस कारण भी अब तक परीक्षा केंद्र का निर्धारण अब तक नहीं हो सका है।

बीयू: यूजी तृतीय वर्ष के सिलेबस सहित परीक्षा पद्धति में बदलाव की तैयारी

प्रथम वर्ष व दूसरे वर्ष की अपेक्षा तीन एक्स्ट्रा पेपर हल करना होंगे

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय (बीयू) अब यूजी की परीक्षा पद्धति में बदलाव करने जा रहा है। यूजी तृतीय वर्ष के सिलेबस के साथ परीक्षा पद्धति में भी बदलाव की तैयारी है। विद्यार्थियों को प्रथम वर्ष व सेकंड वर्ष की अपेक्षा तीन एक्स्ट्रा पेपर हल करना होंगे। बीयू अप्रैल में परीक्षा कराने की तैयारी की कर रहा है। परीक्षा में दो माह लगते थे, लेकिन अब परीक्षा करीब ढाई माह चलेंगी। बीयू प्रबंधन का कहना है कि नई शिक्षा नीति के तहत विवि परीक्षाओं की तैयारियों करा रहा है। इससे विद्यार्थियों को लाभ होगा।

पांच पेपर डिजाइन: *थर्ड ईयर में पहुंचे स्टूडेंट्स के पास मेजर सब्जेक्ट के तौर पर दो ऑप्शन दिए जा रहे हैं। इसके लिए हर एक मेजर सब्जेक्ट के लिए दो ग्रुप में सिलेबस डिजाइन किए गए हैं। ऐसे में थर्ड ईयर में हर एक विषय के पांच पेपर डिजाइन किए हैं। फर्स्ट ईयर व सेकंड ईयर की अपेक्षा तीन एक्सट्रा पेपर यूजी स्तर पर पढ़ाए जाएंगे।*

बेस्ट प्रैक्टिस के रूप में प्रस्तुति देने का अवसर दिया

महिला एवं बाल संरक्षण कार्यक्रम के लिये राष्ट्रीय स्तर पर जुवेनाइल जस्टिस कमेटी ने मध्यप्रदेश पुलिस को सराहा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल पुलिस द्वारा संचालित सामुदायिक पुलिस कार्यक्रमों में महिला एवं बाल संरक्षण से जुड़े प्रयोग के लिए मध्यप्रदेश पुलिस की राष्ट्रीय स्तर पर जुवेनाइल जस्टिस कमेटी द्वारा सराहना की गई और बेस्ट प्रैक्टिस के रूप में प्रस्तुति देने का अवसर प्रदान किया गया।

महिला एवं बाल सुरक्षा क्षेत्र में भोपाल पुलिस के सामुदायिक पुलिस प्रयासों के सफल संचालन के कारण जिला स्तर पर प्रभावी रूप से संचालित करने के लिए समस्त थाना प्रभारियों की बुधवार को एक कार्यशाला संपन्न हुई। सामुदायिक पुलिस के प्रमुख कार्यक्रम जैसे सृजन जो बालिका आधारित सशक्तिकरण कार्यक्रम हैंद्य मैं हूं अभिमन्यु जो किशोर बालको को अच्छा नागरिक बनाए जाने हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम हैं सहयोग जो अन्य शासकीय विभागों से पुलिस के गठजोड़ से संबंधित कार्यक्रम हैं। स्टूडेंट इंटर्नशिप कार्यक्रम जो कालेज के छात्रों को इंटर्नशिप प्रदान करने का कार्यक्रम हैं, शक्ति समिति तथा ऊर्जा हेल्प डेस्क जो घरेलू हिंसा पीड़ित महिलाओं के सशक्तिकरण से जुड़ा महिला अपराध में पुलिस की बेहतर कार्यप्रणाली विकसित करने का कार्यक्रम हैं तथा महिला एवं बाल कल्याण से जुड़े अन्य कार्यक्रमों को प्रभावी बनाने के लिए कार्यशाला में आगामी माहों में होने वाली कार्यवाहियों को प्रभावी रूप से क्रियान्वित करने हेतु निर्देश दिए गए। बैठक में पूर्व में योगदान देने वाली प्रशिक्षण टीम तथा जिन थानों में अच्छा काम हुआ है उन थाना प्रभारियों की सराहना की गई तथा अपेक्षा की गई कि भविष्य में उक्त कार्यक्रम और अच्छे एवं प्रभावी ढंग से संचालित होंगे। कार्यशाला में उपस्थित अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अनुराग शर्मा ने कहा कि पुलिस की सकारात्मक छवि निर्मित करने के लिए एवं जनता में पुलिस का विश्वास बढ़ाने के लिए, महिला एवं बाल सुरक्षा तथा अपराधों को रोकने के लिए यह एक प्रभावी कदम हैं जिसका प्रभाव समस्त पुलिस कार्यप्रणाली पर सकारात्मक रूप से पड़ रहा है।

नई सरकार बनते ही होंगे कई अहम निर्णय

नौकरशाही में बेचैनी, लोकायुक्त व सूचना आयुक्तों की नियुक्ति की फाइलें खुलेंगी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

विधानसभा चुनाव निपटने के बाद अब मतगणना और परिणाम के बाद का समय सरकार के लिहाज से काफी महत्वपूर्ण होगा, क्योंकि सरकार के गठन के बाद कई जरूरी मगर पेंडिंग कामों को सिरे चढ़ाने की आपाधापी मचेगी। फिलहाल तो आमजन, नेता और राजनीतिक दलों चुनाव परिणामों के हिसाब किताब में लगे हैं। मगर सरकार बनने के बाद लोकायुक्त व सूचना आयुक्तों की नियुक्ति समेत सरकारी विभागों में अटकी फाइलें और खरीद आदि के निर्णय भी होने वाले हैं। अभी मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान सहित कई काम रुके हैं। विकास कार्य और कई विभागों में खरीदी भी बंद है। कई योजनाओं के टेंडर आदि पर भी विभाग चुप हैं। माना जा रहा है कि सरकार किसी भी दल की बने, उच्चस्तर पर जमे अफसरों के तबादले भी होंगे। दरअसल, हर सरकार सत्ता संभालने के बाद अपने मुताबिक

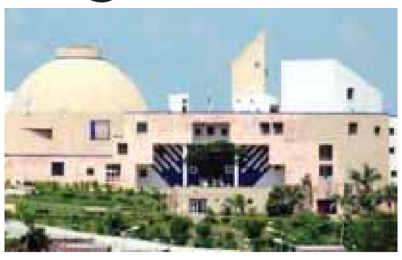

अधिकारियों की पदस्थापना करती है। लिहाजा नौकरशाही में खलबली मची हुई है। वर्ष 2018 में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद पुलिस महानिदेशक ऋषि कुमार शुक्ला को हटा दिया गया था। इसी तरह कांग्रेस सरकार ने मुख्य सचिव रहे एसआर मोहंती को सेवाकाल पूरा होने के पहले ही हटाकर एम गोपाल रेड्डी को मुख्य सचिव बनाया था। भाजपा की सरकार बनते ही उन्हें हटाकर इकबाल सिंह बैंस को मुख्य सचिव बनाया गया। इस कारण बड़े अधिकारियों की भी चुनाव परिणाम में टकटकी लगी है। प्रदेश में चुनाव आचार संहिता नौ अक्टूबर को लागू हुई थी। उसी दिन तीन सूचना आयुक्तों की नियुक्ति के लिए मुख्यमंत्री आवास में बैठक रखी गई थी। इस पर चयन समिति के सदस्य और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष डा. गोविंद सिंह ने मात्र एक दिन पहले सूचना देने पर आपत्ति जाहिर की थी। आचार संहिता लगने के बाद नियुक्तियां रुक गई थीं। वर्तमान लोकायुक्त एनके गुप्ता का कार्यकाल भी 17 अक्टूबर को पूरा हो चुका है। उनकी जगह नए लोकायुक्त की नियुक्ति नहीं होने के कारण नियमानुसार उनका कार्यकाल स्वत- बढ़ गया है। हालांकि, नियम में यह शर्त भी है कि यह सेवावृद्धि एक वर्ष से अधिक नहीं होगी। नई सरकार के गठन के बाद जल्द ही लोकायुक्त की नियुक्ति की प्रक्रिया भी शुरू हो सकती है। इसके अलावा कुछ अन्य सरकारी नियुक्तियां भी रुकी हुई हैं।

मेट्रो एंकर

दो माह में एक दर्जन मामलों की सुनवाई हो चुकी है

डीटीई बढ़ा सकता है 138 इंजीनियर, मेडिकल और बीएड कॉलेजों की फीस

भोपाल, दोपहर मेट्रो

तकनीकी शिक्षा विभाग (डीटीई) ने फीस रिव्यू के लिए अपील करने वाले 138 इंजीनियरिंग, मेडिकल एवं बीएड कॉलेजों की सुनवाई शुरू कर दी है। दो माह में एक दर्जन मामलों की सुनवाई हो चुकी है। संभवतः विभाग इनकी फीस बढ़ा सकता है।

फाइल फोटो

एएफआरसी द्वारा तय फीस से असंतुष्ट कॉलेजों के अपील मामलों पर अब तकनीकी शिक्षा विभाग ने सुनवाई शुरू की है। ज्ञात हो कि शासन ने एएफआरसी के अपीलीय प्राधिकारी की कुर्सी पर ढाई साल बाद उपभोक्ता फोरम के अध्यक्ष जस्टिस शांतनु एस केमकर को प्रभारी नियुक्ति किया गया है। अब शेष सवा सौ प्रकरणों की सुनवाई जस्टिस केमकर करेंगे। उन्होंने फीस कमेटी में अपनी आमद दर्ज करा दी है। इस ढाई साल के अंतराल में फीस कमेटी उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, चिकित्सा शिक्षा और आयुष विभाग के हजारों कालेजों की फीस निर्धारित कर चुकी है। इसमें करीब 138 कॉलेज फीस कमेटी द्वारा निर्धारित की गई फीस से संतुष्ट नहीं थे। इसलिए उन्होंने अपीलीय प्राधिकारी कार्यालय में फीस को रिव्यू कराने का प्रपोजल और एप्लीकेशन भेजी थीं।

बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो
अपने कारोबार-उत्पाद को आगे बढ़ाएं दोपहर मेट्रो के साथ

विज्ञापनों के लिए संपर्क करें
प्रधान कार्यालय 182 - ए शाहपुरा (मनीषा मार्केट के पास) भोपाल
फोन नं.- 0755-4917524, 0755-2972022

सुविचार

`` समता बहकर
ले जाता है
नाम और
निशां
कोई 'हम'
में रह जाता है
तो कोई
'अहम' में''

-अज्ञात

संपादकीय

साइबर सेंधमारी कैसे रूके

तकनीक का उन्नत होना निश्चित रूप से कई मायनों में सुविधाजनक है, लेकिन जिस तरह से साइबर अपराध का दायरा फैलता जा रहा है उससे डिजिटल माध्यमों का उपयोग करने वालों के लिए हर वक्त सावधान रहने की मजबूरी खड़ी हो गई है। साइबर सेंधमारी सरकारों तक के लिए चुनौती बनी हुई है। लेकिन भारत में इंटरनेट को ठगी और वेबसाइट या ईमेल हैक करने से लेकर भयादोहन तक का जैसा जरिया बना लिया गया है, वह कई स्तरों पर चिंता पैदा कर रहा है। दरअसल तकनीक अपने आप में तो एक निरपेक्ष संसाधन है, जिसका मकसद मनुष्य के जीवन को ज्यादा सुविधाजनक बनाना रहा है। मगर ज्यों-ज्यों इसका विस्तार होता जा रहा है इसके बहुस्तरीय लाभ भी देश-दुनिया को मिलने लगे हैं। समस्या यही है कि इसके समांतर ज्यादातर तकनीकों तक कुछ ऐसे लोगों के हाथ भी पहुंचे, जिन्होंने न सिर्फ उसे अवैध या गलत तरीके से कमाई और ठगी का जरिया बनाया, बल्कि आम लोगों के सामने कई तरह के जोखिम भी पैदा किए हैं। आज ज्यादातर लोग अपने बहुत सारे दस्तावेजी कामकाज के साथ-साथ आर्थिक लेनदेन के लिए डिजिटल माध्यमों का उपयोग करते हैं। देश के राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा समन्वयक ने हाल में एक कार्यक्रम में कहा है कि भारत की साइबर दुनिया में वैश्विक औसत की तुलना में सेंधमारी की घटनाओं में करीब दोगुनी बढ़ोतरी देखी गई है। यह स्थिति तब है जब सरकार से लेकर निजी क्षेत्र तक, सभी ओर से कामकाज के लिए डिजिटल माध्यमों के उपयोग को प्रोत्साहित किया जाता और इसे सुरक्षित बनाने के तमाम इंतजाम करने के दावे किए जाते हैं। मगर हकीकत यह है कि आम लोगों से अलग-अलग तरीकों से साइबर ठगी करने की तो दूर, बेहद सुरक्षित तकनीकी दीवार के भीतर माने जाने वाले अनेक सरकारी संस्थानों से लेकर कुछ बैंकों की वेबसाइटों तक पर बड़े साइबर हमले हो चुके हैं। रोजाना न जाने कितने लोग ऐसे ठगों का शिकार होते हैं और कितनी रकम खातों से उड़ाई जाती है। आंकड़ों के मुताबिक, पिछले दस महीनों में औसतन 1.54 अरब अमेरिकी डालर के लिए साइबर हमला किया गया। इन हमलों में 2022 के बाद से दोगुनी बढ़ोतरी हो गई है। ये वे मामले हैं, जिनके खिलाफ औपचारिक शिकायत दर्ज कराई गई। ऐसी तमाम सेंधमारी और ठगी की घटनाएं होती हैं, जिनमें साधारण लोग इसका शिकार होते हैं, मगर वे कई वजहों से शिकायत दर्ज नहीं करा पाते। लिहाजा सवाल है कि अगर आम जनजीवन में सुविधा के लिए चलन में लाई गई कोई तकनीक इस कदर असुरक्षित है कि इसके इस्तेमाल को लेकर हर वक्त भयग्रस्त और सावधान रहना पड़ता है तो इसे एक आम व्यवस्था बनाने के प्रयासों को कैसे देखा जाए। ऐसी खबरें भी आती रहती हैं कि अवांछित समूहों द्वारा कई तरह से आम लोगों के निजी ब्योरे को कहीं से हासिल करके उसकी खरीद-बिक्री की जाती और इस तरह व्यक्ति की निजता का हनन करने से लेकर साइबर अपराध की भूमिका रची जाती है। साफ है कि भारत में अभी साइबर दुनिया की सुरक्षा की दीवार पुख्ता नहीं है हालांकि दूसरे देशों में भी इंटरनेट के उपयोग को पूरी तरह सुरक्षित नहीं कहा जा सकता है। अब तकनीक के इस सुविधाजनक दिखते संसार को साइबर सेंधमारी के स्याह पक्ष से बचाने की तकनीक बनाने भी उतना ही चुतौतीपूर्ण है।

कविता

बदल रही तस्वीर !

– कृष्णेन्द्र राय

संगठन में इनके लगता ।
आ रही दरार ।।
फिर भी होगा देखना ।
कौन पहनता हार ।।
धीरे धीरे शायद ।
बदल रही तस्वीर ।।
ख़बर रही है उड़ ।
हैं सारे ही वीर ।।
हारते ना हिम्मत हैं ।
ना खुले बस पोल ।।
एक दूसरे को भले ।
रहें घुमाते गोल ।।
शानदार अंदाज़ है ।
पर अंदर कोहराम ।।
रुक रुक कर कभी कभी ।
है आता पैग़ाम ।।

आज का इतिहास

- 1165 पोप एलेक्जेंडर तृतीय निर्वासन के बाद रोम वापस लौटे।
- 1499 किंग हेनरी सप्तम के शासनकाल के दौरान अंग्रेजी सिंहासन के एक नाटककार, पर्किन वॉर्बेक को लंदन के टॉवर से कथित तौर पर टॉसस्केप करने के प्रयास के बाद फांसी दी गई थी।
- 1705 निकोलस रोवे का प्ले ÷युलिसेस÷ का लंदन में प्रीमियर किया गया।
- 1723 कैरोलिना का प्रांत न्यू बर्न के रूप में न्यूबेर्न (शहर बाद में उत्तरी कैरोलिना की राजधानी बना) में शामिल किया गया।
- 1733 डेनमार्क के वेस्ट इंडीज में अकवामू से अफ्रीकी दासों ने अपने मालिकों को विद्रोह कर दिया, उनमें से एक सबसे पहले और सबसे लंबे समय तक गुलाम अमेरिका में घुसपैठ करता है।
- 1808 टूडेला की लड़ाई- फ्रेंच मार्शल लेंस ने एक स्पैनिश सेना को हराया।
- 1810 अंग्रेजी अभिनेत्री सारा बूथ ने अपने हॉलीवुड करियर की शुरुआत थिएटर रॉयल, कोवेन्ट गार्डन में की थी।
- 1848 महिला मेडिकल शैक्षिक सोसाइटी बोस्टन में स्थापित की गयी।
- 1863 पहली बार रंगीन फोटो बनाने की प्रक्रिया के लिए पेटेंट दी गई।
- 1867 मैनचेस्टर शहीद को मैनचेस्टर, इंग्लैंड में फांसी पर लटका दिया गया था, एक पुलिस अधिकारी को मजबूर करते हुए दो आयरिश राष्ट्रवादियों को पुलिस हिरासत से बचने में मदद की।
- 1876 पोर्फिरियो डीआज़ मेक्सिको के राष्ट्रपति बनाये गए।
- 1876 विलियम %बॉस% ट्वीड, न्यूयॉर्क शहर के एक राजनेता जिसे गबन के लिए गिरफ्तार किया गया था, को अमेरिकी अधिकारियों को सौंप दिया गया था जब तक कि वह स्पेन से जेल से भाग नहीं गया था।
- 1890 नीदरलैंड के राजा विलियम तृतीय की मौत हुई।
- 1890 इटली में पहली बार आम चुनाव हुआ।
- 1892 लोमानी कांगो के युद्ध में बेल्जियम ने अरब को हराया। युद्ध में करीब 3000 लोग मारे गये।
- 1909 राइट बंधुओं ने विमानों के उत्पादन के लिए 10 लाख डॉलर की पूंजी से कंपनी की स्थापना की।

सुरंग संकेत देती है

इस सुरंग में पहले भी भूस्खलन की सूचनाएं आती रही हैं। यदि यहां ह्यूम पाइप भी लगे होते, तो फंसे हुए मजदूरों को तत्काल बाहर निकाला जा सकता था।

कीर्तिवर्धन मिश्र

बारह नवंबर को जब लोग दीपावली के त्योहार की खुशी मना रहे थे। तब सुबह साढ़े पांच बजे यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर सिल्क्यारा से बड़कोट की तरफ चारधाम ऑल वेदर रोड हेतु निर्माणाधीन 4.5 किलोमीटर सुरंग में भारी भू-धंसाव के कारण 40 से ज्यादा मजदूर जिंदगी और मौत के बीच फंस गए, जो अब तक निकाले नहीं जा सके हैं।दुखद है कि मजदूरों को दिवाली वाले दिन भी इतने जोखिम भरे काम पर लगाया गया। सुरंग के मुहाने से 230 मीटर आगे 60 मीटर की लंबाई में मलबा भरने के कारण अंदर फंसे मजदूर किस स्थिति में जी रहे होंगे, इसकी कल्पना ही की जा सकती है। यह घटना सवाल पैदा करती है कि विकास कार्यों व हिमालय की संवेदनशीलता के बीच संतुलन कैसे स्थापित हो।

वैज्ञानिक युग की मशीनों की ताकत पहाड़ की संवेदनशीलता के सामने बौनी पड़ रही है, क्योंकि ड्रिलिंग कार्य में बड़े पत्थर बाधा बन रहे हैं। वहीं अंदर मलबे में दबी मशीनें भी अवरोध बन रही हैं। निर्माण कार्यों में मजदूरों के अधिकार और उनकी जीवन रक्षा सबसे महत्वपूर्ण है और इसके लिए उपाय किए जाने चाहिए।

एक समस्या यह है कि जोखिमपूर्ण स्थितियों में मीडिया और अन्य के दबाव में प्रभावितों की सूची तो बाहर आती है, लेकिन मजदूरों को काम पर लगाने से पहले उनके बारे में जो जानकारी, जैसे श्रम विभाग में पंजीकरण आदि, निर्माणकर्ताओं के पास होनी चाहिए थी, वह उपलब्ध नहीं हो पाती है। यदि सुरंग का निर्माण विस्फोटों से होता है, तो वह मजदूरों के लिए इसी तरह जानलेवा साबित हो सकती है। विस्फोटों का इतना दुष्प्रभाव है कि ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन (126 किलोमीटर) के लिए खोदी जा रही सुरंग के ऊपर लगभग 30 गांव के घरों में दरारें आ चुकी हैं। जल स्रोतों पर प्रभाव पड़ रहा और जमीन की नमी भी सूख रही है।

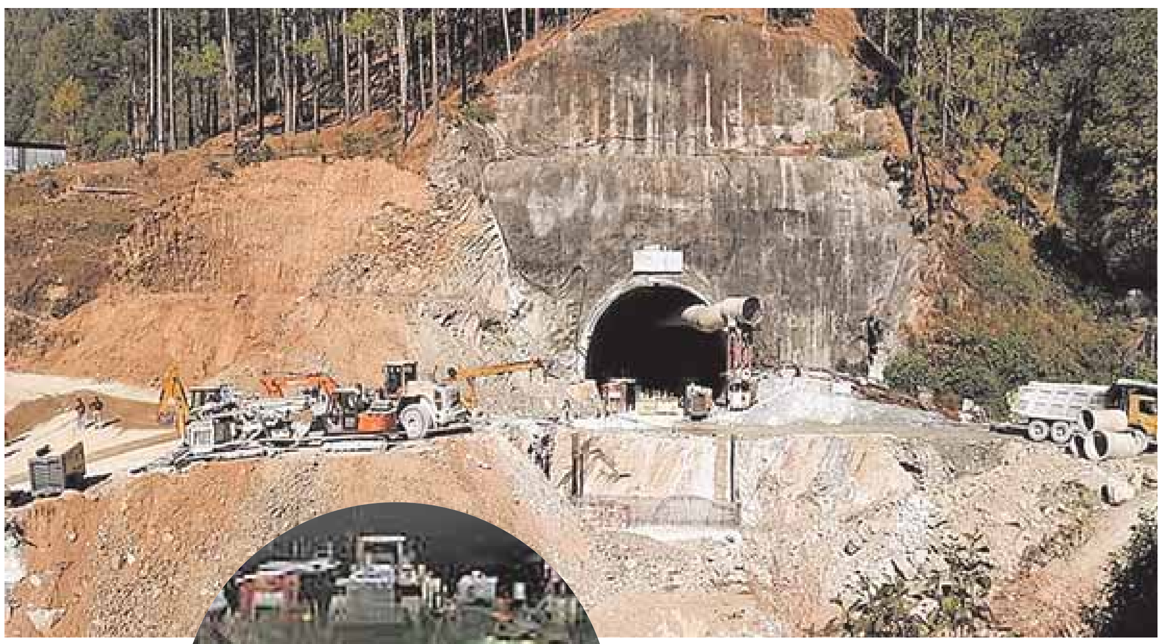

इस सुरंग में पहले भी भूस्खलन की सूचनाएं आती रही हैं। यदि यहां ह्यूम पाइप भी लगे होते, तो फंसे हुए मजदूरों को तत्काल बाहर निकाला जा सकता था। सिल्क्यारा सुरंग में मजदूरों के फंसने की घटना कोई नई नहीं है। इससे पहले भी 2021 में बद्रीनाथ के पास ऋषि गंगा में आई भीषण बाढ़ के कारण तपोवन सुरंग के अंदर जमा हुए भारी मलबे में 206 मजदूरों की जान चली गई थी। 1991 के उत्तरकाशी भूकंप में मनेरी भाली सुरंग के ऊपर बसे हुए जामक गांव में दर्जनों लोग मारे गए थे। वर्ष 2005 में जोशियाडा-धरासू सुरंग में भी 20 श्रमिक करीब 14 घंटे तक फंसे रहे। वर्ष 2013 की केदारनाथ आपदा के समय भी सुरंग परियोजनाओं के मलबे के कारण ही भीषण तबाही हुई थी। इस वर्ष जोशीमठ में हुए भू-धंसाव का कारण भी स्थानीय लोग इसके नीचे सुरंग निर्माण को ही मानते हैं।उत्तराखंड में सुरंग आधारित परियोजनाओं को जमीन पर उतारने के तेज प्रयास हो रहे हैं। पिछले दिनों देहरादून में दुनिया भर के सुरंग विशेषज्ञों ने इस विषय पर चर्चा की है। अब रानीपोखरी से टिहरी झील तक 32 किलोमीटर सुरंग निर्माण की तैयारी चल रही है। मसूरी के नाग मंदिर रोड से छतरी बैंड कैंप्टी रोड तक सुरंग के लिए सर्वे हुआ था। लेकिन सुरक्षा कारणों से ही इसे रोकने की बात कही जा रही है। घुत्तू से गुप्त काशी तक 11 किलोमीटर की सुरंग है। प्रस्तावित 120 किलोमीटर लंबी गंगोत्री रेल लाइन का ज्यादातर हिस्सा सुरंग के अंदर होगा और इसके ऊपर भी सैकड़ों गांव होंगे।

उत्तराखंड में प्रस्तावित 558 बांधों के लिए सैकड़ों किलोमीटर लंबी सुरंग के ऊपर हजारों गांव होंगे, तो उनकी सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता में होनी चाहिए। आजकल सोशल मीडिया पर भी वैज्ञानिक और पर्यावरणविद लिख रहे हैं कि इन प्रस्तावित और निर्माणाधीन सुरंगों में भी जिंदगी अटक सकती है। उत्तरकाशी में पिछले तीन दशक में 70 से अधिक बार भूकंप आ चुका है और धरती में दरारें चौड़ी हो रही हैं। सुरंगों से धरती खोखली हो जाती है, जिसके चलते तेज भूकंप के दौरान भारी तबाही हो सकती है। इसलिए जरूरी है कि बड़ी परियोजनाओं में ऐसी दुर्घटनाओं को रोकने के लिए पहले से ही कोई ठोस योजना तैयार की जाए।

साभार : यह लेखक के अपने विचार हैं।

इण्डिया में तो 'फॉग' चल रहा है।

राकेश अचल

आपको और हमें भले पता हो या न हो लेकिन आस-पड़ौस के लोगों को पता है कि हमारे इंडिया में % फॉग % चल रहा है। इंडिया में एक लम्बी सुरंग में एक सप्ताह से 41 मजदूरों कोई जिंदगियों के दीपक धीरे-धीरे बुझ रहे हैं ,लेकिन पूरा देश खेल के मैदान के साथ ही सियासत के मैदान पर भी क्रिकेट खेलने में लगा है । यहां तक कि प्रधानमंत्री जी तक राजस्थान में अपनी चुनावी रैली में क्रिकेट की भाषा बोल रहे थे। ,लेकिन हमारे टीवी चैनल हमें लगातार चेता रहे हैं कि देश में और कुछ चल रहा हो या न चल रहा हो किन्तु फॉग जरूर चल रहा है।

अहमदाबाद में हम क्रिकेट का विश्वकप हार गए ,लेकिन हमें कोई परवाह नहीं। खेल आखिर खेल है,इसमें हार-जीत चलती रहती है। हमारे खिलाडियों ने पूरे प्राण-पण से खेला। वे देश के लिए खेलते हैं ,किसी पार्टी के लिए। उनके खेल को धर्म या पार्टी की राजनीति से नहीं जोड़ा जा सकता। मै तो ऐसी कोशिशों का हमेशा विरोध करता हूँ। मुझे तो अच्छा लगा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी अपने नाम पर बनाये गए स्टेडियम में विश्वकप का खेल देखने गये । लेकन मुझे ये भी बुरा लगा कि वे खेल की समाप्ति के पहले ही मैदान छोड़ गये । कितना बेहतर होता कि वे अपने हाथों से ऑस्ट्रेलिया के खिलाडियों को विश्वकप ट्राफी देते। लेकिन राजनीति करने वाले खेल भावना का सम्मान करना क्या जाने ? वे तो केवल और केवल फॉग में यकीन करते हैं।

कहने को % फॉग % एक सुगंध बेचने वाली कम्पनी के एक उत्पाद का नाम है लेकिन यहां फॉग को धुंध भी तो कहा जाता है । आजकल देश के भविष्य पर एक तरह की धुंध छायी हुई है। ये धुंध उस सुरंग जैसी है जिसमें पिछले 9 दिन से 41 मजदूर फंसे हुए है। हम चंद्रयान को चन्द्रमा तक पहुँचाने में समर्थ हो गए किन्तु 41 मजदूरों को उस सुरंग से बाहर निकलने में कामयाब नहीं हो पा रहे जो हमने खुद खोदी है। हम केवल प्रकृति से ही नहीं बल्कि देश के भविष्य से उसी तरह खिलवाड़ कर रहे हैं जिस तरह मजदूरों की जिंदगियों से। हमें पहाड़ खोदने की जरूरत क्या है ? हम एक के बाद एक त्रासदियों से भी सबक नहीं ले रहे।

दअरसल हम सबक लेना जानते ही नहीं है। हमारी सरकार को तो सबक सिखाना आता है। पिछले दस साल से सरकार अपने विरोधयों को और देश की जनता को सबक ही तो सिखाती आ रही है । विरोधियों को सबक सीखने के लिए ईडी और सीबीआई है और जनता को सबक सिखाने के लिए महंगाई है। जनता उफ़ तक नहीं कर पा रही है। एक के बाद एक झूठ सुनने और उस पर यकीन करने के लिए अभिशप्त है। जनता की अभिशाप मुक्ति का कोई रास्ता नजर नहीं आ रहा है। एक के बाद एक विधानसभा चुनाव हार चुकी सत्तारूढ़ भाजपा किसी भी पराजय से सबक लेने को राजी ही नहीं है । उसे न पराजय का गम है और न मणिपुर के राख होने का। एक अजीब सी अहमन्यता की शिकार है। शायद इसी अहमन्यता को दुनिया मजाक में % फॉग % कह रही है।

देश को कृतज्ञ होना चाहिए % फॉग % बनाने वाली कम्पनी का जो कम से कम विज्ञापन के जरिये ही सही लेकिन %सच % तो कह रही है। %फॉग% के लिए बनाया गया विज्ञापन दुनिया के सामने एक हकीकत बयान कर रहा है। कभी-कभी विज्ञापन हकीकत के बहुत निकट पहुँच जाते है। जैसे एक विज्ञापन था% सारे घर के बदल दूंगा%। दुर्भाग्य ये है कि देश की जनता इन विज्ञापनों की भाषा भी समझ नहीं पाती । उसके सामने चुनावी रैलियों के जरिये नेतागण इतना झूठ परोस चुके होते हैं की जनता को सच और झूठ में फर्क समझ ही नहीं आता।पूरे परिदृश्य में फॉग ही फॉग है। कुछ नजर ही नहीं आ रहा। इस फॉग को जल्द से जल्द हत्ये जाने का समय आ गया है। देश का दुर्भाग्य है कि चाल,चरित्र और चेहरे में सबसे अलग दिखने वाली भाजपा के पास अब अपनी भाषा तक नहीं बची है । छोटे से लेकर बड़े नेता तक को क्रिकेट की भाषा में राजनीति की बात करना पड़ रही है । चूरू में माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भाषण इसका ताजातरीन उदाहरण है । वे कह रहे थे कि -% कांग्रेस वाले एक-दूसरे को रनआउट करने में लगे हैं। जो बचे हैं, वे महिलाओं और अन्य मुद्दों पर गलत बयान देकर हिट विकेट हुए जा रहे हैं। बाकी जो हैं, वे पैसे लेकर, रिश्वत लेकर मैच फिक्सिंग कर लेते हैं। % मोदीजी भूल जाते हैं कि वे जिस प्रदेश में मैच फिक्सिंग की बात कर रहे थे उसी प्रदेश में उनकी ईडी कि अफसर रिश्वत लेते पकडे जा चुके हैं।

हमारे एक पंडितजी कह रहे थे कि राजनीति में फॉग की वजह शनि की साढ़े साती है। सुरंग में फंसे 41 मजदूरों की जिंदगी को बचने कि लिए हमारी सरकार ने हर मुमकिन कोशिश की है लेकिन नतीजा अभी तक % ढाक के तीन पात %से ज्यादा नहीं निकला है। सारे प्रयास एक धुंध कि नीचे धुंधले पड़ते नजर आ रहे हैं। इस धुंध कि पीछे केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर कि बेटों कि वीडियो का झुठ-सच भी दब गया है जो शायद ही सामने आये। दुआ कीजिये की फॉग और शनि की साढ़े साती का असर जल्द से जल्द समाप्त हो ताकि देश एक ताजा हवा में सांस ले सके।

साभार : यह लेखक के अपने विचार हैं।

लाखों का डीजल एवं वाहन किराया भुगतान तो कर दिया परंतु वाहन कहां - कहां चला इसका कोई प्रमाण नहीं

सोहागपुर जपं के पूर्व सीईओ सोनी के विरुद्व क्या कार्रवाई करेगा विभाग?

वर्तमान सीईओ अग्रवाल का कहना है दफ्तर में संधारित नहीं है लॉग बुक

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

कुछ सरकारी अधिकारी किस तरह नौकरी कर रहे हैं कि उन्हें ना तो शासन प्रशासन का खौफ है और ना ही अपने किए हुए कर्म पर मिलने वाली सजा का भय है. जो उनके मन में आ रहा है कर रहे हैं।एक ऐसा ही मामला सोहागपुर जनपद पंचायत के तत्कालीन मुख्य कार्यपालन अधिकारी सोनी के कार्यकाल में देखा गया।

सोनी ने वर्ष 2020-21 में शासकीय कार्य हेतु विभागीय अनुमति से वाहन क्रमांक एमपी 05-1245 अनुबंध किया. इस वाहन पर उक्त वर्ष में 3 लाख 40 हजार 179 रुपए का डीजल खर्च बताया गया. और सोहागपुर स्थित एक डीजल पंप पर इसका भुगतान भी कर दिया गया. वाहन किराए के रूप में वाहन मालिक को ?2लाख 38हजार का भुगतान भी किया गया. लेकिन जब पता लगाया कि यह वाहन कहां-कहां चला तो इसकी जानकारी ऑफिस से नदारत थी. क्योंकि जनपद सीईओ ने इस वाहन की लॉग बुक ही नहीं लिखी. आप किस आधार पर यह माना जाए कि उनके द्वारा जो ईंधन पर तथा वाहन किराए के रूप में जो राशि खर्च की गई है वह वास्तव में खर्ची गई है या फर्जीवाड़ा है. यह जांच का विषय है।

'यह मामला भ्रष्टाचार को लेकर जांच के लिए प्रस्तुत किया जाएगा''

तत्कालीन सी ई ओ द्वारा जब ईंधन के नाम पर इस प्रकार का काम किया जा सकता है तो उनके कार्यकाल में विभागीय काम में कितना कुछ किया होगा इसका अंदाजा लगाया जा सकता है.

ऐसे हुआ मामले का खुलासा..

जब एक आरटीआई कार्यकर्ता ने वर्ष 2020-21 की जनपद पंचायत सीईओ राम सोनी के अधिकृत वाहन की लॉग सूचना के अधिकार के अंतर्गत प्राप्त करने के लिए आवेदन दिया। लेकिन जानकारी नहीं दी गई. मामला राज्य सूचना आयोग में पहुंचा। जहां वर्तमान सीईओ अग्रवाल ने अपने बयान में बताया कि जनपद पंचायत सोहागपुर में तत्कालीन सी ई ओ सोनी के वाहन की लॉग बुक उपलब्ध नहीं है इसलिए दिया जाना संभव नहीं है. आयोग ने अपने निर्णय में बताया कि जो अभिलेख दफ्तर में है ही नहीं उसे वर्तमान अधिकारी कहां से उपलब्ध करा सकते हैं। आयोग ने वर्तमान सीईओ से कहा कि आपने तत्कालीन सी ई ओ को लॉग जमा करने संबंधी कोई सूचना दी या नहीं. इस पर उन्होंने कहा कि कार्यालय द्वारा इस प्रकरण के संबंध में उन्हें अवगत कराया गया था. लेकिन कोई जवाब उनके द्वारा प्रेषित नहीं करने पर आवेदक को इस बारे में कुछ बताया नहीं गय। जब शासकीय अधिकृत वाहन का उपयोग किया जाता है तो उसके उपयोग संबंधी प्रमाण लॉग बुक में समाहित रहते हैं. वाहन में जो ईंधन खर्च किया गया है उस ईंधन के अनुपात में वाहन ने कितनी दूरी तय की है. इस बात का स्पष्ट प्रमाण रहता है। लेकिन जब लॉग बुक में कोई दूरी संबंधी बात लिखी ही नहीं गई है तो कैसे विश्वास किया जाए कि जितना भुगतान ईंधन के नाम पर किया गया है वह सही है। तत्कालीन सोनी द्वारा वाहन की लॉग बुक संधारित ना करके स्वयं ने अपने भ्रष्टाचार की जांच करने के लिए खुला दरवाजा छोड़ दिया है।

मतगणना के संबंध में रिटर्निंग अधिकारियों को दिया गया प्रशिक्षण

मतगणना प्रक्रिया में निर्वाचन आयोग के निर्देशों का अक्षरश: पालन करने के निर्देश

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

विधानसभा निर्वाचन 2023 के तहत जिले में 3 दिसंबर को संभागीय आईटीआई नर्मदापुरम में मतगणना की जायेगी। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नीरज कुमार सिंह की उपस्थित में सभी रिटर्निंग अधिकारियों को मतगणना के संबंध विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया। कलेक्टर श्री सिंह ने रिटर्निंग अधिकारियों को निर्देशित किया कि भारत निर्वाचन आयोग दिशा निर्देशों का पालन करते हुए मतगणना प्रक्रिया संपन्न कराएं। आयोग के दिशा निर्देशों को बारीकी से समझे और उनका क्रियान्वयन करें।

प्रशिक्षण में नेशनल लेवल मास्टर ट्रेनर पंकज दुबे द्वारा गणना अभिकर्ता की नियुक्ति, गणना अभिकर्ता का प्रवेश एवं बैठक व्यवस्था, मतगणना कक्ष में प्रवेश की पात्रता, मतगणना कक्ष में वीडियोग्राफी सीसीटीवी , मतगणना कक्ष में गोपनीयता बनाएं रखें के जाने के संबंध में एवं मतगणना हेतु अन्य विविध व्यवस्थाएं, ईवीएम मशीनों में मतों की गणना, मतगणना के बाद ईवीएम की सीलिंग इत्यादि बिंदुओं के संबंध में विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में जिला पंचयत सीईओ एसएस रावत, उप जिला निर्वाचन अधिकारी देवेंद्र कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

अभ्यर्थियों, राजनीतिक दलों का मतगणना प्रशिक्षण किया गया आयोजित

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

विधानसभा निर्वाचन 2023 के अंतर्गत जिले में 03 दिसंबर को संभागीय आईटीआई नर्मदापुरम में मतगणना का कार्य संपन्न होना है। जिसके दृष्टिगत बुधवार को रिटर्निंग ऑफिसर विधानसभा होशंगाबाद आशीष पांडे द्वारा पुराना रेवा कक्ष भवन कलेक्ट्रेट परिसर में अभ्यर्थी / राजनैतिक दलों का मतगणना संबंधी प्रशिक्षण आयोजित किया गया। आयोजित प्रशिक्षण में मतगणना संबंधी आयोग आवश्यक दिशा निर्देश दिये। मतगणना अभिकर्ता नियुक्ति हेतु प्रारूप 18 भी अभ्यर्थी / राजनैतिक दलों को उपलब्ध कराया गया। साथ ही मतगणना गोपनियता संबंधी घोषणा के संबंध में भी जानकारी उपलब्ध कराई गई आहुत प्रशिक्षण में सभी अभ्यर्थी / राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि सहित तहसीलदार शक्ति सिंह तोमर उपस्थित रहे।

गर्भवती महिलाओं की प्राथमिकता के आधार पर हो देखभाल

सीहोर, दोपहर मेट्रो

गर्भवती महिलाओं की प्राथमिकता के आधार पर उचित देखभाल सुनिश्चित करने के उद्देश्य से हाई रिस्क महिलाओं को ओपीडी में उपचार के लिए एवं स्वास्थ्य संस्था में प्राथमिकता के आधार पर सेवाएं प्रदाय की जा रहीं है। संस्था में पंजीकरण में प्राथमिकता, जांच में प्राथमिकता , ओपीडी और यूएसजी सेवा में प्राथमिकता, प्रसव पीड़ा के समय लेबर रूम में विशेष देखभाल, रेफरल की स्थिति में 108 द्वारा सीधे जिला अस्पताल में रेफरल किया जाएगा। एएनसी सेवाओं से संबंधित एएनएम, सीएचओ, चिकित्सा अधिकारी और स्त्री रोग विशेषज्ञ इन बेंड को वीएचएनडी सत्रों एवं एएनसी क्लीनिक, हाई रिस्क प्रेगनेंसी क्लिनिक में चिन्हित की गई सभी गर्भवती महिलाओं को प्रदान करेंगे। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि गर्भावस्था के दौरान महिलाओं की शीघ्र पहचान एवं प्रबंधन करना बेहद जरूरी होता है। महिलाओं को सही समय पर प्रबंधन एवं चिकित्सकीय उपचार उपलब्ध करवाकर गर्भवती महिला को सुरक्षित प्रसव सेवाएं उपलब्ध करवाई जा सकती हैं। मैदानी स्तर पर वीएचएनडी सत्रों में एवं स्वास्थ्य संस्थाओं में एएनसी के दौरान हाईरिस्क महिलाओं का चिह्नांकन विशेष रूप से किया जाता है। महिलाओं को चिन्हित करने एवं उनके प्रबंधन के लिए सुमन हेल्पलाइन का संचालन किया जा रहा है। गर्भावस्था में खून की अत्यधिक कमी, रक्तस्त्राव , पूर्व में सिजेरियन प्रसव, पूर्व में गर्भपात ,मधुमेह ,उच्च रक्तचाप, अत्याधिक वजन,अधिक उम्र में गर्भावस्था होने जैसे कारणों के पाए जाने पर हाई रिस्क प्रेगनेंसी की संभावनाएं बढ़ जाती है। ऐसी स्थिति में न्यूनतम 4 एएइसी जांचों के साथ-साथ अतिरिक्त जांच एवं विशेष देखभाल की आवश्यकता होती है।

शिशु जन्म के तुरंत बाद से 6 माह तक मां का दूध पिलाएं

जिला चिकित्सालय के पीएनसी वार्ड में पीएनसी माताओं एवं उनके परिजनों को स्तनपान के महत्व की जानकारी निरन्तर दी जा रहीं है। स्वास्थ्य अधिकारी ने प्रसूता माताओं तथा उनके महिला परिजनों से कहा कि शिशु जन्म के तुरंत बाद से 6 माह तक मां का दूध पिलाएं और बच्च को तंदुरूस्त बनाए। प्रसव के 1 घंटे के भीतर नवजात शिशु को अपना गाढा, पीला, पौष्टिक दूध कोलस्ट्रम अवश्य पिलाएं। जन्म के तुरंत बाद से 6 माह तक शिशु को सिर्फ मां का दूध ही पिलाए।

कलेक्टर दुबे ने महाबोधि महोत्सव व सांची मेला आयोजन के संबंध में दिए निर्देश

रायसेन। प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल सांची में दिनांक 25 तथा 26 नवम्बर को महाबोधि महोत्सव एवं सांची मेला का आयोजन किया जा रहा है। कलेक्टर श्री अरविंद दुबे ने सांची में आयोजित बैठक में सभी संबंधित अधिकारियों को महाबोधि महोत्सव एवं सांची मेला का गरिमामय, शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित आयोजन हेतु दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान में विधानसभा आम निर्वाचन-2023 की आदर्श आचार संहिता प्रभावशील होने से मेला आयोजन के दौरान आदर्श आचार संहिता का पालन सुनिश्चित कराया जाए। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री विकास शहवाल, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंजू पवन भदौरिया, महाबोधि महोत्सव एवं सांची मेला आयोजन के नोडल अधिकारी तथा एसडीएम रायसेन श्री मुकेश सिंह, सहायक नोडल अधिकारी तथा नायब तहसीलदार सांची श्रीमती नियति साहू सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

मतगणना हेतु 522 कर्मियों के लिए प्रशिक्षण 25 को

विदिशा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री उमाशंकर भार्गव ने जिले की पांचो विधानसभाओं में मतगणना कार्य निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देश अनुसार सुव्यवस्थित, निर्भीक रूप से संपन्न हो इसके लिए मतगणना कार्यक्रम को संपादित करने वाले अधिकारी, कर्मचारियों के लिए शनिवार 25 नवंबर को एक दिवसीय प्रशिक्षण रविंद्र नाथ टैगोर सांस्कृतिक भवन (ऑडिटोरियम) में दोपहर 12 बजे से आयोजित किया गया है। गौरतलब हो की मतगणना कार्य 3 दिसंबर को शासकीय आदर्श महाविद्यालय, जाफरखेड़ी में प्रातः आठ बजे से शुरू होगा।

कलेक्टर श्री उमाशंकर भार्गव ने जिले की पांचों विधानसभाओं की मतगणना कार्यो के संपादन हेतु कुल 522 कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण आयोजित किया गया है। जिसमें सुपरवाइजर (सीए) 162, गणना सहायक (सीएस) 161 तथा माइक्रो आब्जर्वर (एमओ) 199 शामिल हैं।

कलेक्टर श्री भार्गव द्वारा जारी आदेश में उल्लेख है कि विधानसभा वार जिन अधिकारियों व कर्मचारियों को मतगणना से संबंधित कार्य सौंपा जाएगा उन विभागों के जिला अधिकारियों को अधीनस्थों के प्रशिक्षण में उपस्थिति सुनिश्चित कराने हेतु निर्देशित किया गया है।

एग्जिट पोल , परिणाम का प्रकाशन या प्रचार 30 नवम्बर तक प्रतिबंधित

उल्लंघन का दोषी पाए जाने पर दो वर्ष का कारावास या जुर्माना या दोनों होगा दंडनीय

रायसेन, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन-2023 की आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया कि आदर्श आचरण संहिता के दौरान 30 नवम्बर की शाम 6रू30 बजे तक निर्वाचन के संबंध में किसी भी प्रकार के एग्जिट पोल का आयोजन तथा प्रिंट या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया द्वारा इसके परिणाम का प्रकाशन या प्रचार अथवा किसी भी अन्य तरीके से इसका प्रचार-प्रसार करने पर प्रतिबंध लगाया गया है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 31 अक्टूबर 2023 को इस आशय की अधिसूचना जारी की गई थी। श्री राजन ने बताया कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 126क में यह प्रावधानित किया गया है कि कोई भी व्यक्ति कोई निर्गम मत सर्वेक्षण नहीं करेगा और किसी निर्गम मत सर्वेक्षण के परिणाम का ऐसी अवधि के दौरान जो

निर्वाचन आयोग द्वारा इस संबंध में अधिसूचित की जाए, प्रिंट या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से प्रकाशन या प्रचार या किसी भी प्रकार की अन्य रीति से प्रसार नहीं करेगा। यदि कोई व्यक्ति प्रावधान का उल्लंघन करेगा, तो ऐसी अवधि के कारावास से जो दो वर्ष तक की हो सकेगी या जुर्माने से या दोनों से, दण्डनीय होगा।

मेट्रो एंकर बाल विवाह की सूचना प्राप्त होने पर संबंधित अधिकारियों को सूचना देने की अपील

बाल विवाह रोकथाम के लिए कलेक्टर ने बनाए उड़नदस्ता दल

रायसेन, दोपहर मेट्रो

कलेक्टर श्री अरविंद दुबे द्वारा 23 नवम्बर 2023 को देवउठनी ग्यारस एवं विवाह मुहूर्तो के अवसर पर आयोजित विवाहों में बाल विवाह होने की संभावना के दृष्टिगत जिले के अनुविभागीय अधिकारियों को निर्देश जारी किए गए हैं। उल्लेखनीय है कि महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जिले में बाल विवाहों की रोकथाम के लिए लाडो अभियान का संचालन किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के प्रति जनजागरूकता, बाल विवाहों के दुष्परिणामों के प्रति बालकों एवं उनके अभिभावकों का संवेदीकरण, विवाहों में सेवा देने वाले सेवाप्रदाताओं का उन्मुखीकरण किया जाता है।

महिला बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री दीपक संकत ने बताया कि बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के प्रभावी क्रियान्वयन एवं बाल विवाहों की सूचना प्राप्त होने पर रोकथाम के लिए जिले के विकासखण्डों में एसडीएम की अध्यक्षता में विकासखण्ड स्तरीय कोर ग्रुप, उड़नदस्ते गठित किए गए हैं। विकासखण्ड स्तरीय कोर ग्रुप में अनुविभागीय अधिकारी पुलिस, तहसीलदार, परियोजना अधिकारी बाल विकास परियोजनाएं, जनपद सीईओ, विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी, चिकित्सा अधिकारी आदि को शामिल किया गया है।

जिले में बाल विवाह की सूचना प्राप्त होने पर संबंधित क्षेत्र के अनुविभागीय अधिकारी, पुलिस थाना, परियोजना अधिकारी बाल विकास परियोजना, चाइल्ड लाइन 1098, महिला हेल्पलाइन-181 पर शिकायत की जा सकती है। इसके अतिरिक्त जिले में बाल विवाह की सूचना देने के लिए महिला बाल विकास विभाग कार्यालय में कंट्रोल रूम स्थापित कर कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है।

महिला बाल विकास विभाग कार्यालय में स्थापित कंट्रोल रूम में 23 नवम्बर को प्रातः 06 बजे से दोपहर 02 बजे तक संरक्षण अधिकारी श्री दिनेश मालवीय मो.न. 8770217901 तथा श्रीमती अल्का जैन विधि सह परिवीक्षा अधिकारी मो.न. 9303205064, दोपहर 02 बजे से रात्रि 10 बजे तक सामाजिक कार्यकर्ता श्री मनोज कुमार साहू मो.न. 8349858279 तथा श्री झब्बूलाल राठौर और रात्रि 10 बजे से दिनांक 24 नवम्बर 2023 को प्रातः 06 बजे तक संरक्षण अधिकारी श्री राजा वर्मा मो.न. 9893290281 तथा श्री अशोक मो.न. 9285395930 की ड्यूटी लगाई गई है। इन कर्मचारियों के मोबाईल नम्बर पर सम्पर्क कर भी बाल विवाह की सूचना दी जा सकती है। जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री दीपक संकत द्वारा जनसामान्य से आगामी विवाह मुहूर्तो के अवसर पर आयोजित विवाहों में बाल विवाह न करने, बाल विवाह जैसी कुरीति को समाप्त करने एवं बाल विवाह की सूचना प्राप्त होने पर संबंधित अधिकारियों को सूचना देने की अपील जनसामान्य से की गई है।

कुर्मी क्षत्रिय समाज ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन आरोपियों पर कार्रवाई की मांग

पिछड़ा वर्ग की आवाज दबाने वालों के आगे हम झुकने वाले नहीं

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

बुधवार को कुर्मी क्षत्रिय समाज द्वारा रहली गढ़ाकोटा में हुई घटना के विरोध में एसडीएम हर्षल चौधरी को ज्ञापन देते हुए कहा कि कि रहली में ज्योति पटेल पर हुऐ जानलेवा हमले में पुलिस कि लीपापोती न हो पूरे मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए जो भी आरोपी हैं उन सभी पर हत्या के प्रयास की एफआईआर दर्ज करने व आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी कि मांग कि है।

कुर्मी समाज जनों ने कहा कि यह पिछडे वर्ग को दबाने का प्रयास है पिछड़ा वर्ग झुकने वाला नहीं किसी दल के लोग सत्ता या पैसा के मद में डरा रहे हैं हम डरने वाले नहीं हैं वह हमारी धैर्य को कमजोरी न समझे हम जमीन का सीना चीर कर अन्न उगाते हैं , जरुरत पड़ने पर सीनों पर भी हल चला सकते हैं। दोषियों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो हम उग्र आंदोलन भी करेंगे।

यह है मामला - रहली विधानसभा की प्रत्याशी ज्योति पटेल, देवेंद्र सिंह ठाकुर, अर्जुन सिंह ठाकुर मिंटू चौरा, अभिलाष ठाकुर चिंटू चौरा, एवम कुछ अन्य कार्यकताओं के साथ, 18 नवंबर को अर्जुन सिंह ठाकुर के घर गढ़ाकोटा में उनसे मिलने गई थी। अर्जुन सिंह को गोपाल भार्गव के भाई श्री राम भार्गव ने गाली गलौज एवम देख लेने की धमकी दी थी। 18 नवंबर को सायं काल भाजपा प्रत्याशी गोपाल भार्गव के भाई श्री राम भार्गव, भतीजे कुश भार्गव एवं पुत्र अभिषेक भार्गव अपने कई समर्थकों एवम असामाजिक तत्वों के साथ, बंदूक, लाठी, तलवार आदि के साथ ज्योति पटेल एवम वहां उपस्थित कार्यकर्ताओं के ऊपर जानलेवा हमला कर दिया। जिसमें रामावतार कुर्मी के सिर, व हाथ पांव में चोटें आई हैं, फ्रैक्चर भी है, नीलेश राजपूत के सर मुंह में गंभीर चोट है फैक्चर है दांत टूट गए हैं। अन्य कई लोगों को गंभीर चोटे आई है। गाड़ियों में तोड़फोड़ की गई है। ज्योति पटेल सहित अन्य सभी लोगों ने छिप कर अपनी जान बचाई हैं। घटना के कुछ वीडियो भी हैं जिनमें हमलावरों को देखा जा सकता है। कुर्मी समाज ने उक्त घटना की निंदा की एंव समाज में आक्रोश पर देखने को मिला है इस दौरान रघुवीर सिंह कुर्मी, नवल सिंह कुर्मी, नरेंद्र पाटीदार, प्रकाश पटेल, राजेश पटेल, लखन कुर्मी, रामबाबू पटेल, दयाराम कुर्मी, बलबीर कुर्मी, महेश पटेल कचनारिया , चंद्र मोहन गौर सहित बड़ी संख्या में कुर्मी समाजजन मौजूद रहे।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने व्यवस्थाओं पर संतोष जाहिर किया

स्ट्रांग रूम का जायजा व मतगणना कक्षों की तैयारियों का अवलोकन

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने आज विदिशा प्रवास के दौरान जिले की पांचो विधानसभाओं के स्ट्रांगरूम व मतगणना के संबंध में किए गए प्रबंधो का जायजा लिया। शासकीय आदर्श महाविद्यालय, जाफरखेड़ी पहुंचकर विधानसभा निर्वाचन 2023 अंतर्गत तीन दिसंबर को विदिशा जिले की पांचो विधानसभाओं के लिए होने वाली मतगणना हेतु की जा रही तैयारियों का अवलोकन कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजन द्वारा आज विदिशा के शा. आदर्श महाविद्यालय, जाफरखेड़ी में बनाए गए स्ट्रांग रूम में की गई सुरक्षा व्यवस्थाओं का भी जायजा लेने के दौरान वहां संधारित किए गए अग्नि शामक यंत्रो, सीसी कैमरे तथा तैनात सुरक्षा बल के संबंध में जानकारी प्राप्त की है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री उमाशंकर भार्गव, पुलिस अधीक्षक श्री दीपक कुमार शुक्ला, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती शशि मिश्रा, विदिशा एसडीएम श्री क्षितिज शर्मा समेत अन्य अधिकारीगण साथ मौजूद रहे।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मप्र, श्री अनुपम राजन को शासकीय आदर्श महाविद्यालय, जाफरखेड़ी के स्ट्रांग रूम व मतगणना तथा डाक मत पत्रों की गणना के संबंध में जानकारी प्राप्त करते हुए उन्होंने कहा कि जिस विधानसभा में अधिक डाकमत पत्र प्राप्त हुए है का गणना कार्य पृथक कक्ष में किया जाए शेष अन्य दो-दो विधानसभाओं के डाकमत पत्रों की गणना कार्य एक ही कक्ष में किया जा सकता है। कलेक्टर श्री उमाशंकर भार्गव ने बताया कि स्ट्रांगरूमो की सुरक्षा के प्रबंधो की जानकारियां अभ्यर्थियों व राजनैतिक दलो के पदाधिकारियों को दी गई है वहीं सीसी कैमरे से सम्पूर्ण परिसर की खासकर पांचो विधानसभाओं के स्ट्रांगरूमों की निगरानी का लाइव प्रसारण देखने के प्रबंध सुनिश्चित किए गए है। मुख्य प्रवेश द्वार के समीप एलईडी पर 24 घंटे उपरोक्त प्रसारण का अभ्यर्थियों व उनके द्वारा अधिकृत व्यक्ति सुगमता से देखा जा रहा है। मीडियाकर्मियों के लिए किए गए प्रबंधों की जानकारियो से कलेक्टर ने अवगत कराया। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने शासकीय आदर्श महाविद्यालय जाफरखेड़ी में सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में सुरक्षा दल के अधिकारी से संवाद भी किया। इसके साथ ही उन्होंने महाविद्यालय परिसर के बाहर पहुंचकर अभ्यर्थियों के द्वारा नियुक्त एजेंटों से संवाद कर सीसीटीव्ही कैमरे से की जा रही लाइव प्रसारण की क्रास मानिटरिंग की है।

आज उठाएंगे देव, जगह-जगह लगी गन्ने की दुकानें बजेंगी शहनाईयां, होंगे विवाह, हटेगी रोक

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

आज नगर से लेकर ग्रामीण अंचलों में बड़े हर्ष उल्लास के साथ देवउठनी ग्यारस मनाई जाएगी जिसको लेकर विशेष तैयारी भी मंदिरों और घरों पर की जा रही है। बुधवार को बाजार में भी ग्यारस के चलते चहल पहल देखने को मिली। लंबे समय से देव सोने के कारण शादी विवाह पर भी रोक लगी थी पर देवउठनी ग्यारस के साथ ही शादी विवाह भी प्रारंभ हो जाएंगे और शहनाई की गूंज भी सुनाई देने लगेगी। वहीं देवउठनी ग्यारस पर पूरे भक्ति भाव से देव उठाए जाएंगे इसके साथ ही शादी विवाह पर लगी रोक समाप्त हो जाएगी बैंड बाजे वह शहनाई की धुन भी बजाने लगेगी है। देवउठनी ग्यारस पर विवाह भी संपन्न होंगे । 4 महीने से शादी पर पूर्णत रोक लगी हुई थी दूसरी और देवउठनी ग्यारस पर भगवान को जागने के लिए गन्ने का ज्वार आदि का मंडप तैयार किया जाता है । इसके उपरांत भगवान श्री राम जी को बेर भाजी आदि के का भोग भी अर्पित करें फिर मंडप की परिक्रमा देकर भगवान को सोई मुद्रा में से जगाने के लिए सिंहासन को हल्के से हिलाया जाता है । ऐसी परंपरा प्राचीन काल से चली आ रही है श्री छतरी नाका हनुमान मंदिर ,श्री मदन मोहन सरकार मंदिर पर भी देवउठनी ग्यारस पर विधि विधान से पूजा अर्चना होगी।

जगह-जगह लगी गाने की दुकान: देवउठनी ग्यारस पर गाने से ही अधिकांश जगह मंडप सजाया जाता है इसका महत्व भी बताया गया है। इसके कारण एक दिन पहले ही शहर के विभिन्न स्थानों पर गाने की दुकानें सजी हुई थी जहां पर गाने की बिक्री हुई प्रारंभ हो गई है । दूसरी ओर गाने के दाम में भी तेजी देखने को मिल रही है 15, 20 और 25 तक का गाना इस बार बाजार मिल रहा है ।इससे ऐसा लग रहा है कि इस बार गाने के दामों पर भी महंगाई की मार नजर आ रही है । साथ ही पूजन की सामग्री के संबंध में भी बड़ी संख्या में दुकान बाजार में सजेगी जिससे के चलते श्रद्धालुओं को पूजन सामग्री के लिए भटकना नहीं पड़ा है उसकी दुकान भी बड़ी मात्रा में आज मुख्य बाजार में लगेगी।

आज से शादी विवाह के मुहूर्त हो जाएंगे प्रारंभ

लंबे समय से देव सोने के कारण शादी विवाह पर रोक लगी हुई थी देव उठनी ग्यारस पर कई स्थानों पर शादी विवाह भी होंगे और लंबे समय से लगी रोक हट जाएगी इसके बाद शादी विवाह के आयोजन शुरू हो जाएंगे शहनाई की गूंज भी सुनाई देने लगेगी । वही ग्यारस पर बाल विवाह होने की संभावना भी रहती है उसको रोकने के लिए भी महिला एवं बाल विकास विभाग को गंभीरता से ध्यान देना होगा कि इस दिन किसी भी तरह से बाल विवाह संपन्न हो सकते हैं। उसको लेकर अभी प्रशासन सतर्क दिखाई नहीं दे रहा है।

चुनाव संपन्न होने के बाद भी कांग्रेस प्रत्याशी रघुवंशी कार्यकर्ताओं के बीच

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

चुनाव संपन्न होने के बाद भी कांग्रेस प्रत्याशी गगनेंद्र रघुवंशी लगातार सक्रिय है। उन्होंने एक भी दिन आराम नहीं किया है , इनसे मिलने के लिए घर पर कार्यकर्ताओं का आने दौर निरंतर चाल रहा सुबह 8 बजे से ही कार्यकर्ताओं की भीड़ आना प्रारंभ हो जाती है देर रात तक लगी रहती है। दूसरी ओर अभी भी कांग्रेस प्रत्याशी गगनेंद्र रघुवंशी अपने क्षेत्र में सक्रिय लगातार गांव में पहुंचकर लोगों से मिल रहा है। चुनाव परिणाम 3 दिसंबर को आना है उससे पहले इनके यहां पर लगातार लोगों का हुजूम लगा रहता है। इसको लेकर कई तरह की चर्चा होगी परिणाम आने में अभी कई दिन बाकी है।

मेट्रो एंकर

वोट डालते हुए ईवीएम के साथ फोटो खींचकर गोपनीता भंग करने पर

17 पर एफआईआर दर्ज करने रिटर्निंग ऑफिसर ने थाने में भेजा आवेदन

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

मतदान के दौरान ईवीएम मशीन पर वोट डालते हुए मतदान केंद्र के अंदर मोबाइल से फोटो खींचकर मत की गोपनीयता को भंग करने के लिए कुछ वोटरों ने वोट डालते हुए तस्वीर खींची फिर उसको सोशल मीडिया पर डालने का काम किया है। साथी कुछ लोगों ने अपने नेता की दिखाने के लिए केंद्र के अंदर ही फोटो खींच उसकी भी सोशल मीडिया पर डाल दिया ऐसे 17 लोगों पर अब शिकंजा करने के लिए निर्वाचन अधिकारी ने पुलिस को मामला दर्ज करने के लिए आवेदन भेजा है।

एक दिन पहले निर्वाचन अधिकारी को शिकायती आवेदन देते हुए एडवोकेट वकील यादव आदि ने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया की गोपनीयता भंग करने का काम जिन लोगों ने किया है उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए साथ ही मतदान केंद्र के अंदर मोबाइल ले जाने पर प्रतिबंध था तो फिर कैसे लोग मोबाइल लेगा और उसका उपयोग फोटो खींचने के लिए किया गया है। मतदान केंद्र के पीठासीन अधिकारी से लेकर कर्मचारियों ने भी इन्हें रोकने टोकने का काम नहीं किया ऐसे मतदान कर्मियों पर भी कार्रवाई होनी चाहिए। कई वोटरों ने अपने प्रत्याशी को खुश करने के लिए वोट डालते हुए तस्वीर खींची फिर उसको सोशल मीडिया पर डालने का काम किया है। कुछ लोगों ने अपनी नेतागिरी चमकाने के लिए एवं ईवीएम के पास खड़े होकर फोटो खिंचवाई फिर उसको सोशल मीडिया पर डालने का काम किया गया इस तरह से 17 लोगों पर निर्वाचन आयोग की गाइडलाइन का उल्लंघन एवं प्रतिबंध के बाद भी मतदान केंद्र के अंदर फोटो खींचकर सोशल मीडिया पर डालने वालों पर कार्रवाई करने के लिए निर्वाचन अधिकारी ने थाना प्रभारी को आवेदन भेज है दूसरी ओर अभी तक पुलिस ने निर्वाचन अधिकारी के आवेदन की जांच पड़ताल नहीं की है।

आवेदक को जांच में लिया है वहीं थाना प्रभारी पहले अधिकारियों से मार्गदर्शन लेंगे उस के बाद ही पुलिस उक्त मामले में अपनी आगे कार्रवाई करेगी थाना प्रभारी संदीप सिंह पंवार ने बताया कि अभी आवेदन हमें प्राप्त हुआ है उसकी गहराई से जांच कर रहे हैं उसके बाद ही आगे कार्रवाई करेंगे दूसरी ओर शिकायत होते ही जिन लोगों ने मतदान केंद्र के अंदर फोटो खींचकर सोशल मीडिया पर डाली है। उनकी जरूर चिंताएं बढ़ गई है सभी को मामला दर्ज होने का डर भी सता रहा है ।

वही जिन-जिन मतदान केदो पर तस्वीर खींचकर सोशल मीडिया पर डाली गई है उन मतदान केदो के पीठासीन अधिकारी पर भी कार्रवाई होनी चाहिए जिनकी मौजूदगी में तस्वीर खींची गई है। इन्होंने इनको रोकने का काम नहीं किया जबकि निर्वाचन के दौरान सीधी कमरे से निगरानी हो रही थी मीडिया को छोड़कर अन्य किसी भी व्यक्ति को मतदान केंद्र के अंदर मोबाइल ले जाने की अनुमति नहीं थी ना ही फोटो खींचने की अनुमति किसी को भी मोबाइल से दी गई थी फिर इनकी मौजूदगी में कैसे फोटो खींचने गए इसमें पीठसीन अधिकारी भी दोषी हैं । अब देखना है कि निर्वाचन अधिकारी इन पर भी कार्रवाई करने के लिए कदम उठाएंगे या नहीं।

इनका कहना है -

आवेदन प्राप्त हुआ है उसकी जांच कर रहे हैं जांच के उपरांत ही उक्त मामले में आगे कार्रवाई करेंगे।

संदीप सिंह पवार थाना प्रभारी सिरोंज

मत डालते समय मतदान केंद्र के अंदर फोटो खींचकर सोशल मीडिया पर डालने वाले 17 लोगों पर प्रकरण दर्ज करने के लिए थाने में प्रतिबंध है भेजा है।

हर्षल चौधरी रिटर्न ऑफिसर सिरोंज लटेरी विधानसभा

आराम के बहाने आईपीएल के दिग्गजों का टेस्ट

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

अहमदाबाद में वर्ल्ड कप फाइनल के ठीक 4 दिन बाद टीम इंडिया और ऑस्ट्रेलिया के बीच आज से पांच मैचों की टी20 सीरीज शुरू हो रही है। इस सीरीज में नए कप्तानों के साथ दोनों टीमें काफी बदली हुई हैं। वर्ल्ड कप खेलने वाले ज्यादातर दिग्गज खिलाड़ियों को सीरीज में आराम दिया गया है। हालांकि सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया ने सिर्फ अपने तेज गेंदबाजों को ही आराम दिया है बल्लेबाजी क्रम में मात्र वार्नर ही नजर नहीं आयेंगे, जिन्होंने भी खुद ही टीम से अपना नाम वापस लिया है वरना चयनसमिति ने तो उनको भी सीरीज में उतारने की मंशा रखी थी।मतलब साफ है कि ऑस्ट्रेलिया टीम ने आराम से ज्यादा 2024 टी20 वर्ल्ड कप पर अभी से तैयारी शुरू कर दी है। वहीं टीम इंडिया में खिलाड़ियों को आराम दिया गया है, हो सकता है इसके के मायने अलग भी हो। लेकिन बेहद दिलचस्प सवाल यह उठता है कि टीम इंडिया के जिन दिग्गजों को आराम दिया गया है वह चयनकर्ताओं के लिए अगले साल होने वाले टी20 वर्ल्ड कप की प्रयोगशाला में किस हद तक शामिल हैं। वैसे चयनकर्ताओं की दूरदृष्टि समझी समझी जाने वाली इस सोच का अंदाजा साउथ अफ्रीका दौरे पर जाने वाली टीम के चयन के बाद काफी हद तक साफ हो जायेगा। गौरतलब है कि सीरीज के ठीक बाद टीम इंडिया को क्रिकेट के तीनों फॉरमेट खेलने के लिए साउथ अफ्रीकी दौरे पर जाना है।टेस्ट मैच व वनडे सीरीज में तो दिग्गजों की वापसी तय रहेगी,लेकिन टी 20 फॉर्मेट की टीम इंडिया के चयन पर सभी क्रिकेट पंडितों की नजरें टिकी होंगी। सही मायने में कप्तान सूर्यकुमार यादव की अगुवाई मेंआईपीएल में धमाल मचाने वाले युवा खिलाड़ियों का ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली टी 20 सीरीज उनके लिए अफ्रीकी दौरे के चयन की ट्रायल सीरीज भी कही जा सकती है। अगर युवाओं की दम कप्तान सूर्यकुमार यादव ऑस्ट्रेलिया का सूपड़ा साफ करने में कामयाब होते हैं तो फिर एक बात तय है कि चयनकर्ताओं की नजर व फॉर्मूला इस फॉरमेट में बदल सकता है,क्योंकि बीसीसीआई की सबसे बड़े टूर्नामेंट आईपीएल में धमाका करने वाले खिलाड़ियों का भी टीम इंडिया में इतना हक तो बनता ही है।अब देखना यह है कि वरिष्ठों को आराम देकर युवा आईपीएल दिग्गजों का ऑस्ट्रेलिया टीम के खिलाफ होने वाला यह टेस्ट कितना कारगर साबित होता है,आईपीएल के कौनसे सूरमा अफ्रीका दौरे की टीम इंडिया में जगह बनायेगे इन सवालों के जवाब 5 मैचों की टी20 में मिलने तय हैं।

भारत के पास ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगातार तीसरी सीरीज जीतने का मौका

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 टी-20 मैचों की घरेलू सीरीज आज से शुरू

नईदिल्ली, एजेंसी

वर्ल्ड कप के बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 टी-20 मैचों की घरेलू सीरीज गुरुवार से शुरू हो रही है। पहला मुकाबला विशाखापटनम में खेला जाना है। टी-20 में पहली बार कप्तानी कर रहे सूर्यकुमार यादव ने मुकाबले से एक दिन पहले प्रेस वार्ता में कहा कि वर्ल्ड कप में हमने अच्छा प्रदर्शन किया। फाइनल से पहले हमने सभी 10 मुकाबले जीते। वर्ल्ड कप फाइनल की हार से उबरने में समय लेगा। ऐसा नहीं हो सकता है कि आप अगली सुबह उठो और जो कुछ हुआ है, उसको भूल जाओ। यह बड़ा टूर्नामेंट था। हम इसे जीतना पसंद करते। सूर्या ने आगे कहा कि रोहित शर्मा ने बतौर कप्तान और बैटर अच्छा प्रदर्शन किया। उनसे हमें बहुत कुछ सीखने को मिला। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज के लिए युवाओं को मौका देने के सवाल पर सूर्या ने मजाकिया अंदाज में कहा, मैं भी यंग हूं। मैंने सभी खिलाड़ियों से साफ कर दिया है कि उन्हें मैदान पर बिना डरके खेलना होगा और अपना बेस्ट देना होगा। यह नई टीम है, जो चुनौती के लिए तैयार है। टीम पहले है और बाकी सब बाद में है। मैं इन खिलाड़ियों के साथ आईपीएल में काफी समय बिताया है। कुछ के साथ मैंने भारतीय टीम में खेला है।

कंगारू टीम की ओर से ज्यादा विकेट शॉन एबट के नाम

दूसरी तरफ ऑस्ट्रेलियाई कई वर्ल्ड कप स्कवॉड का हिस्सा रहे खिला?ियों को आराम दी है। टीम की कप्तानी मैथ्यू वेड को सौंपी गई है। वहीं फाइनल मैच में शतक जड़ने वाले ट्रैविस हेड के इनिंग की शुरुआत कर सकते हैं। स्टीव स्मिथ, ग्लेन मैक्सवेल और मार्कस स्टोइनिस जैसे स्टार खिलाड़ी मुकाबला में दिख सकते हैं। कंगारू टीम की ओर से इस साल सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में मिचेल मार्श टॉप पर हैं, लेकिन वो इस सीरीज का हिस्सा नहीं हैं। वहीं दूसरे नंबर पर ट्रैविस हेड हैं। सबसे ज्यादा विकेट शॉन एबट के नाम है।

अगले साल होने वाले टी-20 पर सबकी नजर

अगले साल खेले जाने वाले टी-20 वर्ल्ड कप को देखते हुए अब सभी टीमों का फोकस टी-20 पर है। यदि भारत आज का मैच जीत जाता है, तो उसकी ऑस्ट्रेलिया पर लगातार तीसरी टी-20 जीत होगी। वहीं मेजबान टीम सीरीज जीत जाती है तो कंगारू टीम पर लगातार तीसरी सीरीज जीत भी होगी। पिछले दो बार 2020 और 2022 में खेले गए सीरीज में भारत को जीत मिली थी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच अब तक टी-20 में 10 सीरीज खेली गई हैं। इसमें पांच भारत जीता और दो में ऑस्ट्रेलिया को जीत मिली। तीन सीरीज ड्रॉ रहीं।

विशाखापत्तनम की पिच गेंदबाजों के लिए मददगार

विशाखापत्तनम की पिच गेंदबाजों के लिए मददगार रही हैं। स्पिनर्स और पेसर दोनों के लिए मददगार साबित होती है। यहां अब तक हुए 3 टी-20 मैच खेले गए हैं। इसमें 1 मुकाबला पहले बैटिंग करने वाली टीम ने जीता। 2 मैच में चेज करने वाली टीमों को जीत मिली। यहां का हाईएस्ट टीम स्कोर 179 रन है, जो भारत ने पिछले साल साउथ अफ्रीका खिलाफ बनाया था। लोवेस्ट स्कोर 82 है, जो श्रीलंका ने 2016 में भारत के खिलाफ बनाया था। यहां पर टी-20 में भारत और ऑस्ट्रेलिया एक बार भिड़े हैं, उस मैच में ऑस्ट्रेलिया को 3 विकेट से जीत मिली थी। विशाखापट्टनम में आज मौसम साफ नहीं रहेगा। बदल छाए रहेंगे। वहीं दोपहर में बारिश की भी आशंका है। बारिश होने की 60त्न आशंका है। हवा की रफ्तार 15 किलोमीटर प्रतिघंटा रहेगी।

सूर्या इस साल टॉप रन स्कोरर

वनडे वर्ल्ड कप के बाद टीम इंडिया ने कई खिलाड़ियों को आराम दिया है। इस सीरीज में टीम की कप्तानी सूर्यकुमार यादव करेंग। इस साल टी-20 फॉर्मेट में टीम के टॉप स्कोरर सूर्या ही हैं। उन्होंने 11 मैचों में 433 रन बनाए हैं। वहीं टॉप विकेटटेकर अर्शदीप सिंह हैं। उन्होंने इस साल 20 विकेट लिए हैं। वहीं रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे बहरतीय खिलाड़ी इस साल एक भी टी-20 मैचों का हिस्सा नहीं बने।

अर्जेंटीना ने क्वालिफायर मैच में ब्राजील को हराया

फीफा वर्ल्ड कप: पॉइंट्स टेबल में अर्जेंटीना टॉप पर

भुवनेश्वर, एजेंसी

मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन अर्जेंटीना ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 के क्वालिफायर मैच में ब्राजील को हरा दिया। ब्राजील के मरकाना स्टेडियम (रियो डि जेनेरियो) में खेले गए मैच में मेजबान को 1-0 से हार का सामना करना पड़ा। मैच का इकलौता गोल अर्जेंटीना के निकोलस ओटामेंडी ने 63वें मिनट में किया। मैच शुरू होने से पहले ब्राजील और अर्जेंटीना के फैंस आपस में भिड़ गए। भीड़ को काबू करने के लिए ब्राजील पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। हालांकि, इसका मैच पर कोई असर नहीं हुआ और मैच फुल-टाइम पर खत्म हुआ। ब्राजील और अर्जेंटीना फुटबॉल राइवल्स है। ऐसा कई बार हुआ है कि दोनों टीमों के फैंस के बीच हिंसा हुई है। साल 1925 और 1937 के बीच दोनों टीमों के बीच हिंसा की वजह से कोई मैच आयोजित नहीं किया गया क्योंकि दोनों टीमों ने उन टूर्नामेंट में खेलने से इनकार कर दिया जिनमें दोनों को एक-दूसरे के खिलाफ मैच खेलना था। इस जीत के बाद अर्जेंटीना टीम साउथ अमेरिका फीफा वर्ल्ड कप क्वालिफायर के पॉइंट्स टेबल में टॉप पर है, जबकि ब्राजील 6 में से 2 जीत के साथ छठे स्थान पर है। अर्जेंटीना 6 में से 5 मैच जीते हैं। अर्जेंटीना का अगला मुकाबला 5 सितंबर 2024 में चिली के साथ होगा। भारतीय फुटबॉल टीम को वर्ल्ड कप 2026 के क्वालिफायर में हार का सामना करना पड़ा। भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में भारतीय टीम को 61वें नंबर की टीम कतर ने 3-0 से हराया। यह क्वालिफायर में भारत की पहली हार है। टीम ने पहले मुकाबले में कुवैत को 1-0 से हराया था। इस हार के बाद भारतीय टीम दूसरे दौर के क्वालिफायर के ग्रुप-ए में दूसरे स्थान पर है, जबकि कतर 2 में से 2 जीत के साथ टॉप पर है। भारत का अगला मुकाबला 21 अप्रैल 2024 को अफगानिस्तान में होगा।

मेट्रो बाजार

अब फ्री में ओपन एआई के चैटबॉट से बात कर सकेंगे

मुंबई, एजेंसी

एआई रिसर्च कंपनी ओपन एआई ने अपने चैटबॉट चेट जीटीपी पर सभी यूजर्स के लिए वॉयस फीचर रोलआउट कर दिया है। इस फीचर के जरिए चेट जीटीपी अपनी आवाज में आपसे बात कर पाएगा। कंपनी सितंबर में इस फीचर को लेकर आई थी, लेकिन शुरुआत में ये सिर्फ प्लस और एंटरप्राइज सब्सक्राइबर्स के लिए अवेलेबल था। अब सभी यूजर्स चैटजीपीटी पर सवाल पूछने, फीडबैक रिसीव करने और लगातार बातचीत में शामिल होने के लिए अपनी आवाज का इस्तेमाल कर सकेंगे। एंड्रॉयड और आईओएस दोनों ही ऑपरेटिंग सिस्टम के ऐप इस फीचर को इस्तेमाल कर सकेंगे। भारत में प्लस का मंथली सब्सक्रिप्शन 1,999 रुपए का है। ओपनएआई ने पर एक पोस्ट में इसकी घोषणा की और एक वीडियो भी शेयर किया है। उसमें कंपनी ने दिखाया है कि यूजर्स किस तरह वॉइस फीचर को यूज कर सकते हैं। यूजर अपने फोन पर ऐप डाउनलोड कर सकते हैं और हेडफोन आइकन पर टैप करके बातचीत शुरू कर सकते हैं। नया वॉयस फीचर चैटजीपीटी के साथ आगे-पीछे बातचीत की परमिशन देता है। यूजर द्वारा सवाल पूछने से होती है और बातचीत को मैन्युअल रूप से या बोलना बंद करके समाप्त किया जा सकता है। चैटजीपीटी सवाल का जवाब देता है और बातचीत के लिए इंट्रप्शनस की परमिशन देता है। ओपनएआई की टीम को सैम ऑल्टमैन को अचानक हटाए जाने और उनकी वापसी के लिए चल रही बातचीत के कारण चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। चैटजीपीटी बनाने वाली कंपनी ओपन एआई के को-फाउंडर सैम ऑल्टमैन और ग्रेग ब्रॉकमैन कंपनी में वापसी करेंगे। सैम की सीईओ और ग्रेग की प्रेसिडेंट के तौर पर वापसी के लिए नया बोर्ड बनाया गया है। ओपन एआई के पिछले बोर्ड ने दोनों को नौकरी से निकाल दिया था। ओपन एआई ने कहा- हम सैम ऑल्टमैन के लिए ब्रेट टेलर, लैरी समर्स और एडम डी एंजेलो के नए बोर्ड के साथ सीईओ के रूप में वापसी के लिए एक एग्रीमेंट पर पहुंच गए हैं।

दिसंबर से सिम बेचने वालों का वेरिफिकेशन जरूरी

नईदिल्ली, एजेंसी

एक दिसंबर यानी अगले महीने से सिम बेचने के नियमों में बदलाव होने वाला है। इसके तहत सिम बेचने वाले सभी डीलर्स का वेरिफिकेशन होना अनिवार्य होगा। इतना ही नहीं डीलर्स को सिम बेचने के लिए रजिस्ट्रेशन कराना भी अनिवार्य होगा। किसी भी सिम बेचने वाले व्यापारी की पुलिस वेरिफिकेशन की जिम्मेदारी टेलीकॉम ऑपरेटर्स की होगी। नियमों की अनदेखी करने पर 10 लाख का जुर्माना देना पड़ सकता है। सरकार द्वारा से कदम फर्जी सिम कार्ड बेचने पर सख्ती करने के लिए उठाया गया है। कई बार देखा जाता है कि किसी की आईडी पर कोई और व्यक्ति सिम चला रहा है और आईडी वाले व्यक्ति को इस बारे में पता भी नहीं है। ऐसे में कई बार दूसरे व्यक्ति के उस सिम के गलत उपयोग करने पर निर्दोष व्यक्ति को परेशानी उठानी पड़ती है। आपकी आईडी पर कितनी सिम एक्टिवेट हैं इस बात की जानकारी आपको होना जरूरी है। आप 2 मिनट में घर बैठे ही पता कर सकते हैं कि आपके नाम पर कितनी और कौन-कौन से नंबर वाली सिमें एक्टिव हैं। इसके लिए आपको कोई चार्ज भी नहीं देना होगा। नियम के मुताबिक, एक आईडी पर 9 सिम एक्टिवेट किए जा सकते हैं, लेकिन जम्मू-कश्मीर, असम सहित उत्तर-पूर्व राज्य की आईडी पर 6 सिम ही एक्टिवेट होंगे। यदि आपकी आईडी पर कोई ऐसा सिम एक्टिवेट है जिसका इस्तेमाल आप नहीं कर रहे, तब उसका खामियाजा आपको भुगतना पड़ सकता है। जैसे आपकी ID से रजिस्टर्ड सिम से गलत या गैर कानूनी गतिविधियां चल रही हैं तो आप मुसीबत में पड़ जाएंगे। इसलिए आपके लिए ये जानना बेहद जरूरी हो जाता है कि आपकी आईडी पर कितने सिम रजिस्टर्ड हैं।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

अभिनेत्री फातिमा सना शेख बोली

'दंगल' के ऑडिशन में 21000 लड़कियों में से सिलेक्शन हुआ

फातिमा सना शेख बॉलीवुड की एक पॉपुलर एक्ट्रेस हैं। फातिमा ने साल 1997 की फिल्म 'चाची 420' में बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट काम किया था। 2016 में आई फिल्म 'दंगल' से फातिमा सुर्खियों में आ गईं। दंगल फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कमाई की थी। एक इंटरव्यू में फातिमा ने बताया कि वे आमिर को बहुत रियल और ईमानदार मानती हैं। फातिमा ने ये भी कहा कि दंगल फिल्म के ऑडिशन के समय 21000 लड़कियों में से उनका सिलेक्शन हुआ था।

खुशकिस्मत हूं इतने बड़े एक्टर्स के साथ काम किया

फातिमा सना शेख ने बचपन की बातें करते हुए कहा, मैं चार या साढ़े चार साल की थी जब मैंने फिल्म चाची 420 की थी। मैंने बचपन में ही काफी काम कर लिया था। एक समय पर लगा थोड़ा मस्ती करना भी जरूरी होता है। फिर जब एक्टिंग करनी वापस से शुरू की, तो फिर से स्ट्रगल शुरू हो गया था। फातिमा अपने करियर में दंगल को सबसे बड़ा टर्निंग पॉइंट मानती हैं। उन्होंने कहा, मेरा सिलेक्शन 21000 लड़कियों में से हुआ था, और बहुत सारे ऑडिशन राउंड हुए थे। ऑडिशन शॉर्टलिस्ट होने में भी समय लगा था। मैं मानती हूं अपनी काबिलियत की वजह से मैं उस रोल के लिए सिलेक्ट हुई थी। फिल्म दंगल के लिए फातिमा को अपनी बॉडी पर भी काफी काम करना पड़ा। फिजिकल ट्रांसफॉरमेशन की बात करते हुए उन्होंने कहा, फिल्म के लिए बॉडी तैयार करने में भी आठ महीने लगे थे। हफ्ते में छह दिन व्यायाम और छह दिन कुश्ती करती थी। यहां तक कि रविवार को भी थोड़ी रनिंग करती थी। मकसद बहुत साफ था। मुझे पता था कि फिल्म के लिए मुझे रेसलर बनना था। रेसलर बनना यानी कि वजन ब?ाना था और कुश्ती भी सीखनी थी। आमिर खान के बारे में फातिमा ने बताया कि वे बहुत रियल, सीरीयस, समय पर आने वाले एक्टर हैं। आमिर हमेशा अपनी लाइंस याद करके आते हैं। ऐसा लोगों को जरूर लगता है कि स्टार्स के साथ काम करना बहुत मुश्किल होता है, लेकिन ऐसा नहीं है। स्टार्स नेचर से बहुत गिविंग होते हैं। हिंदुस्तान में भी काम किया है। उन्होंने अपना एक्सपीरियंस शेयर करते हुए कहा, अमिताभ बच्चन एक बहुत बड़े एक्टर हैं। हम सब ने उनको स्क्रीन पर परफॉर्म करते हुए बचपन से देखा है। मैं खुद को बहुत खुशकिस्मत मानती हूं कि मुझे इतने बड़े-बड़े एक्टर्स के साथ काम करने का मौका मिला।

इंडियन आइडल के सेट पर 'एनिमल' का प्रमोशन

रणबीर कपूर और रश्मिका मंदाना इंडियन आइडल के सेट पर दिखे। रश्मिका पिंक जरी एंब्रॉयडर्ड साड़ी पहने नजर आईं। वहीं रणबीर ब्लू फॉर्मल लुक में दिखे। रणबीर हाथ में चाय का कप लिए नजर आए। रश्मिका ने पैपराजी से हंसी-मजाक किया। उन्होंने रणबीर को तमिल भी सिखाई। रणबीर और रश्मिका पहली बार एनिमल फिल्म में साथ काम करते दिखेंगे। एनिमल फिल्म एक दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। रणबीर कपूर और रश्मिका मंदाना स्टारर इस फिल्म में अनिल कपूर और बॉबी देओल भी नजर आएंगे। अनिल कपूर रणबीर के पिता का किरदार निभाते दिखेंगे। बॉबी देओल फिल्म में विलेन बने हुए हैं।

शाहरुख ने ढाई मिनट के सीन को लिए की 6 घंटे मेहनत

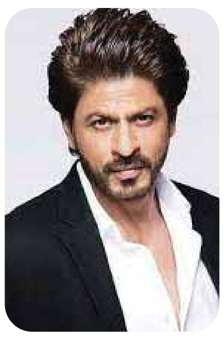

टाइगर 3' के बाद अब इंडस्ट्री की नजरें और बॉक्स ऑफिस की आस 'एनिमल' और 'डंकी' से लगी हुई हैं। इस फिल्म में शाहरुख खान के साथ तापसी पन्नू, विक्की कौशल, बोमन ईरानी, विक्रम कोचर और धर्मेंद्र समेत कई एक्टर्स नजर आएंगे। इसके अलावा इसमें एक्टर अजय कुमार ने भी अहम किरदार निभाया है। अजय के मुताबिक शाहरुख ने इस फिल्म को बिल्कुल भी हल्के में नहीं लिया। एक सीन पर तो वो लगातार छह घंटे तक काम करते रहे। अजय ने यह भी क्लीयर किया कि शाहरुख फिल्म में 3 से 4 अलग लुक में नजर आएंगे। फिल्म में शाहरुख के साथ एक सीन में अजय कुमार।

शूट ब्रेक में भी रिहर्सल करते थे शाहरुख

अजय ने बताया, 'पहले दिन मैं दिल्ली से सीधा मुंबई सेट पर पहुंचा। मैं सुबह 10 से 11 बजे के बीच वहां पहुंचा था। शाहरुख भी एकाध घंटे बाद सेट पर आ गए। फिर उन्होंने लगातार छह घंटे शूटिंग की। वहीं सितारों के बारे में कहा जाता है कि सेट पर शूट ब्रेक होते ही वो अपनी वैनिटी में चले जाते हैं या आराम करने लगते हैं। शाहरुख वैसे बिल्कुल नहीं हैं। वो शूट ब्रेक के दौरान आराम करने के बजाय रिहर्सल करते थे। फिल्म में मेरे और शाहरुख के बीच का कम्यूनिकेशन सीन महज ढाई मिनट का है। मगर वह सीन बेहतरीन लगे इसके लिए शाहरुख ने करीबन 6 घंटों तक मेहनत की। इस एक सीन के लिए वो शाम 7 बजे तक शूट करते रहे। यकीन मानिए अगर एक कट से दूसरे कट के बीच में 10 मिनट के लिए लाइट चेंज हो रही है तब भी वो 10 मिनट के लिए बैठते नहीं थे, रिहर्सल करते रहते थे। उस ढाई मिनट के एक सीन के लिए उन्होंने मेरे साथ कम से कम 20 से 25 बार रिहर्सल की है। और तो और इतनी रिहर्सल के बाद इस सीन को 25 बार अलग-अलग वैरिएशन में शूट भी किया। वो पूरी तरह समर्पित होकर काम करते हैं।' फिल्म डंकी 21 दिसंबर को थिएटर्स में रिलीज होगी।

चूनाभट्टी थाना क्षेत्र में दैहिक शोषण का मामला...

ब्यूटीशियन से दुष्कर्म, शादी से मुकरने पर प्रकरण हुआ दर्ज

भोपाल, दोपहर मेट्रो

चूनाभट्टी थाना क्षेत्र में ब्यूटिशियन से दुष्कर्म और दैहिक शोषण का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार इलाके में रहने वाली 27 साल की युवती ब्यूटीशियन है और एक ब्यूटी पार्लर में काम करती है। करीब दो साल पहले उसकी पहचान सौरभ नामक युवक से हुई थी। फरवरी महीने में सौरभ युवती को लेकर चूनाभट्टी स्थित एक होटल पहुंचा और शादी का प्रलोभन देकर उससे शारीरिक संबंध बनाए। इसके बाद वह लगातार उसका दैहिक शोषण करने लगा। गत दिनों युवती ने जब सौरभ पर शादी का दबाव बनाया तो वह शादी करने इंकार करने लगा।

दोस्ती के बाद युवती से दुष्कर्म

इधर, शाहपुरा पुलिस ने बताया कि 23 साल की युवती प्रायवेट नौकरी करती है। वर्ष 2019 में कालेज में एडमिशन के दौरान उसकी पहचान राज वर्मा नामक युवक से हुई थी। राज ने कालेज में एडमीशन के दौरान उसकी मदद की थी, इसलिए दोनों के बीच दोस्ती हो गई। उनके बीच लगातार बातचीत होती थी, जिसके चलते वह एक-दूसरे को पसंद करने लगे। जनवरी 2021 में राज वर्मा युवती को लेकर शाहपुरा की एक होटल पहुंचा, जहां उसने युवती के साथ शारीरिक संबंध बनाए। उसके बाद वह शादी का झांसा देकर लगातार युवती का शोषण कर रहा था। पिछले दिनों राज ने शादी करने से इंकार कर दिया।

बंधक बनाकर महिला से अश्लील हरकत

बागसेवनिया पुलिस ने बताया कि 23 साल की महिला गृहणी है। पड़ोस में रहने वाले सुजीत नामक युवक के घर का दरवाजा किसी ने बाहर से बंद कर दिया था। सुजीत के आवाज लगाने पर महिला उसके दरवाजे की कुंदी खोलने पहुंची। कुंदी खुलते ही सुजीत ने महिला का हाथ पकड़कर उसे अंदर खींच लिया और अश्लील हरकत करने लगा। पीड़िता के शोर मचाने पर पति मौक पर पहुंचा और पत्नी को लेकर बाहर आया। बाद में दंपति ने थाने पहुंचकर आरोपी के खिलाफ केस दर्ज करवाया। पुलिस आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास कर रही है। इधर पिपलानी पुलिस ने 17 वर्षीय किशोरी की रिपोर्ट पर रीतेश नामक युवक के खिलाफ पीछा कर छेड़छाड़ करने का मामला दर्ज किया है। आरोपी काफी दिनों से पीड़िता को परेशान कर रहा था।

करबला के पास पार्क में महिला से दुष्कर्म का प्रयास

भोपाल। कोहेफिजा थाना क्षेत्र स्थित वीआईपी रोड करबला के पास पार्कमें युवती से दुष्कर्म के प्रयास का मामला सामने आया है। उक्त मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों पर दुष्कर्म के प्रयास, जान से मारने की धमकी देने का प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

पुलिस के अनुसार साजिदा नगर निवासी 24 साल की युवती ने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि वह पूर्व में हमीदिया अस्पताल में हेल्प डेस्क पर नौकरी करती?थी। उस समय वह विवेक धावड़े भी लिफ्टमैन की नौकरी करता?था। साथ नौकरी करने के कारण दोनों में दोस्ती थी। पीड़िता ने बताया कि करीब चार महीने पहले उसने नौकरी छोड़ दी है। अब एक प्राइवेट अस्पताल में कंप्यूटर आपरेटर की नौकरी करती है। उसने बताया कि कल रात विवेक ने उसे कॉल किया था और मिलने बुलाया। पीड़िता को मार्केट से कुछ सामान खरीदना था और वह करीब 8 बजे करबला पहुंची। वहां विवेक धावड़े मिला। विवेक बातचीत करते हुए उसे पार्कमें ले गया था। इसी बीच वहां सुधीर और उसका अन्य साथी वहां पहुंच गए। पीड़िता का आरोप है कि तीनों आरोपियों ने उससे बलात्कार का प्रयास किया है। आरोपियों का विरोध करते हुए उसने शोर मचाया तो आरोपी उसे छोड़कर भाग निकले।

तस्कर से कोलार में तीन सौ क्वार्टर, देशी शराब जब्त

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कोलार पुलिस ने एक शराब तस्कर को गिरफ्तार कर उसके पास अवैध रूप से रखी 300 क्वार्टर देशी मदिरा जब्त की है। जब्त हुई शराब की कीमत बीस हजार रुपये बताई गई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया है।

पुलिस के मुताबिक मंगलवार शाम मुखबिर से सूचना मिली कि बंजारी दशहरा मैदान के पास एक युवक अवैध रूप से शराब बेचने के लिए खड़ा हुआ है। पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो संदेही युवक भागने लगा, जिसे घेराबंदी कर पकड़ा गया। पूछताछ में उसने अपना नाम नीतेश अहिरवार (30) निवासी दशहरा मैदान के सामने बंजारी बताया। पुलिस ने उसके घर की तलाशी ली तो बाउंड्री के पास प्लास्टिक की बोरियों में शराब की कुल 6 पेटियां रखी मिली। चैक करने पर कुल 300 क्वार्टर देशी शराब मिली, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया। इधर टीटी नगर पुलिस ने पंचशील नगर के पास कमलेश पाटिल को गिरफ्तार कर उसके पास अवैध रूप से रखी 12 बोतल अंग्रेजी शराब

फाइल फोटो

कीमत साढ़े सात हजार रुपये जब्त की है। इसी प्रकार देहात क्षेत्र की गुनगा थाना पुलिस ने ग्राम पिपलिया कदम के पास टीना बंजारा निवासी बैरसिया को गिरफ्तार कर डेढ़ हजार रुपये कीमत की अवैध देशी शराब जब्त की है। सभी के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है।

घर के सामने खड़ा लोडिंग वाहन ले उड़े बदमाश

भोपाल। ईंटखेड़ी इलाके में घर के सामने खड़ा एक लोडिंग वाहन चोरी हो गया। एक महीने तक तलाश करने के बाद भी जब वाहन का कुछ पता नहीं चला तो थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई। पुलिस के मुताबिक ग्राम अरवलिया निवासी शमीम खान लोडिंग वाहन चलाते हैं। पिछले महीने 25 अक्टूबर को उन्होंने अपना वाहन घर के सामने खड़ा किया था, तभी रात के समय वाहन चोरी हो गया। काफी तलाश करने के बाद भी जब वाहन का कुछ पता नहीं चला तो उन्होंने मंगलवार को थाने पहुंचकर चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई। इधर बैरसिया थानांतर्गत ग्राम निदानपुर निवासी शिवकुमार दुबे के खेत पर स्थित कुएं में लगी पानी की मोटर, स्टार्टर और केबिल वायर चोरी हो गया। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

जिला बदर बदमाश को पुलिस ने किया गिरफ्तार

भोपाल। अशोका गार्डन पुलिस ने एक जिला बदर बदमाश को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी अप्पू उर्फ हफीज उर्फ नफीस खान (47) झुग्गी दशमेश नगर अशोका गार्डन का रहने वाला है। उसके खिलाफ पिछले सितंबर महीने में जिला बदर की कार्रवाई की गई थी। आरोपी को भोपाल एवं उससे लगे जिले विदिशा, सीहोर, राजगढ़, रायसेन, नर्मदापुरम की सीमाओं से बाहर चले जाने के आदेश दिए गए थे। बुधवार को मुखबिर से सूचना मिली कि बदमाश अप्पू उर्फ हफीज लक्ष्मी मंडी स्कूल के पास मौजूद है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने उसे जिला बदर आदेश का उल्लंघन करने पर गिरफ्तार कर लिया है।

सफाईकर्मी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

फाइल फोटो

भोपाल, दोपहर मेट्रो

गांधी नगर थाना क्षेत्र स्थित अब्बास नगर, हाई स्कूल के पीछे रहने वाले नगर निगमकर्मी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। वह नगर निगम में 25 दिवसीय कर्मचारी था और पेट में अचानक दर्द होने के कारण परिजन उसे हमीदिया अस्पताल लेकर पहुंचे थे, वहां डॉक्टर ने कुछ देर चले इलाज के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है।

पुलिस के अनुसार भूपेंद्र काडे पिता सारंग काडे (25) अब्बास नगर, हाई स्कूल के पीछे गांधी नगर में रहता था और नगर निगम में सफाईकर्मी था। उसके परिवार में सभी लोग नगर निगम में सफाईकर्मी बतौर नौकरी करते हैं। परिजन ने पुलिस को बताया कि बुधवार सुबह भूपेंद्र की अचानक तबीयत बिगड़ी थी। परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां कुछ देर चले इलाज के बाद भूपेंद्र की मौत हो गई। पुलिस पीएम रिपोर्ट मिलने का इंतजार कर रही है।

युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

भोपाल। छोला मंदिर थाना क्षेत्र स्थित भंवर नगर में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। बुधवार दोपहर वह शराब पीकर घर लौटा था। उसके बाद उसकी नींद लग गई। परिजन ने खाना खाने के लिए उसे जगाने का प्रयास किया था, लेकिन वह बेसुध हो चुका था। उसे अस्पताल लेकर पहुंचे तो पता चला कि उसकी मौत हो चुकी है। पुलिस पीएम रिपोर्ट मिलने का इंतजार कर रही है। पुलिस के अनुसार भंवर नगर भानपुर निवासी भगवान सिंह (29) प्राइवेट का करता था और शराब पीने का आदी था।

फाइल फोटो

बुधवार 22 नवंबर की दोपहर करीब 12 बजे वह शराब पीकर घर लौटा था। घर आने के बाद वह अपने कमरे में जाकर सो गया। थोड़ी देर बाद परिजनों ने खाना खाने के लिए उसे उठाने का प्रयास किया, लेकिन उसकी मौत हो चुकी थी।

करुणाधाम में तुलसी विवाहः हल्दी मेहंदी की रस्म हुई

करुणाधाम आश्रम में गुरुदेव सुदेश शांडिल्य महाराज के सानिध्य में देवउठनी ग्यारस के 2 दिवसीय कार्यक्रम की शुरुआत हुई। पूरे आश्रम को सजाया गया है% आज विवाह का कार्यक्रम गौरी गणेश पूजन से शुरू किया गया है जिसके बाद भगवान को मेंहदी और हल्दी लगाई।

मेट्रो एंकर जहर खाने के बाद पति को दी जानकारी, पति लेकर पहुंचा एम्स तो गई मौत

महिला ने जहरीला जहर खाकर दी जान

भोपाल, दोपहर मेट्रो

शाहपुरा थाना क्षेत्र स्थित बावड़िया कला में बुधवार दोपहर एक महिला ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। जहर खाने के बाद उसने पति को घटना की जानकारी दी थी। पति उसे लेकर एम्स पहुंचा, वहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है।

पुलिस के अनुसार रीता मीना पति मुकेश मीना (30) देशवाली मोहल्ला, बावड़िया कला में रहती थी। मुकेश खेती किसानी करते हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि रात में खाना खाने के बाद वह सो गए थे। सुबह पत्नी ने मुकेश को जगाया और कहा कि मैंने जहर खा लिया है। पति ने आनन फानन में डायल 100 को सूचना दी और डायल 100 की मदद से पत्नी को एम्स लेकर पहुंचा। वहां इलाज के दौरान रीता की मौत हो गई। मामले की जांच कर रहे एएसआई सुभाष सिंह ने बताया कि 15-16 साल पहले शादी हुई थी। रीता और मुकेश के चार बच्चे हैं। मरने से पूर्व रीता के बयान नहीं हो सके थे। साथ ही पति और परिजन से पूछताछ में भी आत्महत्या की वजह सामने नहीं आई है।

बच्चे नहीं होने से दुखी युवक ने फांसी लगाकर दी जान

भोपाल। छोला मंदिर थाना क्षेत्र स्थित नगर निगम कॉलोनी में एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई कि उसे बवासीर की बीमारी थी और शादी के दस साल बाद भी घर में संतान नहीं होने से वह दुखी था। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार सचिन आनंद पिता उमाशंकर आनंद (40) नगर निगम कॉलोनी, छोला में रहता था और प्राइवेट काम करता था। उसके साथ उसकी पत्नी रहती है। सचिन की शादी को करीब दस साल हो चुके है। बावजूद इसके उसके घर कोई संतान नहीं है। इसके अलावा वह बवासीर की बीमारी से परेशान था। सचिन पत्नी के साथ इलाज के लिए अपने ससुराल गया था और वहां से मंगलवार शाम ही लौटा था। बुधवार सुबह उसने अपने कमरे में फांसी लगा ली। पत्नी पड़ोसियों की मदद से उसे अस्पताल लेकर पहुंची, वहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

जहरीला पदार्थ खाकर युवक ने दी जान

भोपाल। मिसरोद थाना क्षेत्र स्थित पुराना जाटखेड़ी 55 झुग्गी में रहने वाले एक युवक ने आज तड़के जहरीला पदार्थ खा लिया। परिजन उसे लेकर एम्स पहुंचे थे, वहां कुछ ही देर बाद युवक की मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव के लिए मर्चूरी में रखवा दिया है। पुलिस जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार संतोष मीणा पिता शिव नारायण मीणा (20) पुराना जाटखेड़ी, 55 झुग्गी में रहता था और प्राइवेट काम करता?था। बीती रात करीब सवा तीन बजे के आसपास उसने कोई जहरीला पदार्थ खा लिया। उल्टियां करने पर परिजन की नींद खुली उससे पूछा था। पूछने पर उसने बताया कि जहर की दो गोलियां खाई है। परिजन उसे लेकर अस्पताल पहुंचे, वहां कुछ ही देर चले इलाज के बाद उसकी मौत हो गई। पुलिस आज पीएम के बाद परिजन के बयान दर्ज करेगी। फिलहाल आत्महत्या की वजह सामने नहीं आई है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022